हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 177, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 19 दिसम्बर, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

हम पूर्वोत्तर का पूरी ईमानदारी से विकास कर रहे : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

शिलॉन्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार सुबह मेघालय की राजधानी शिलांग पहुंचे और यहां उत्तर-पूर्व परिषद की 50वीं वर्षगांठ पर स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। पीएम मोदी यहां पारंपरिक वेशभूषा में दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि खेलों को लेकर केंद्र सरकार आज नई सोच के साथ आगे बढ़ रही है। इसका लाभ पूर्वोत्तर के युवाओं को मिला है। देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पूर्वोत्तर में है।

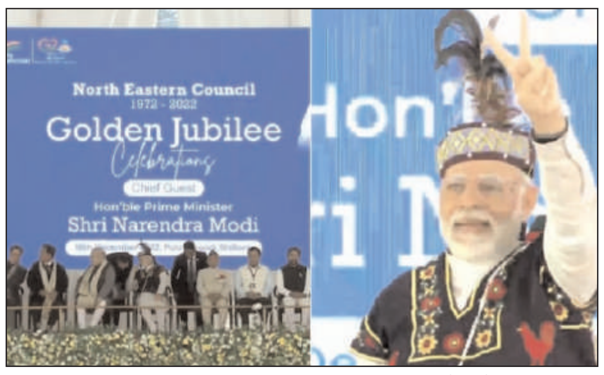

प्रधानमंत्री ने कहा, फुटबॉल में अगर कोई खिलाड़ी खेल भावना से नहीं खेलता तो उसे रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया जाता है। ऐसे ही पिछले 8 वर्षों में हमने पूर्वोत्तर के विकास के रास्ते में अनेक रुकावटों को रेड कार्ड दिखा दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी से सिर्फ बातचीत, संवाद ही बेहतर नहीं होता। बल्कि इससे टूरिज्म से लेकर टेक्नॉलॉजी तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, हर क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ती हैं, अवसर बढ़ते हैं।

पूर्वोत्तर सुरक्षा और समृद्धि का गेटवे – पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक जिन दलों की सरकारें रहीं, उनकी पूर्वोत्तर के लिए विभाजन की सोच थी और हम विभाजन को दूर करने का इरादा लेकर आए हैं। अलग-अलग समुदाय हो या फिर अलग-अलग क्षेत्र, हम हर प्रकार के विभाजन को दूर कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि हमारे लिए पूर्वोत्तर बॉर्डर एरिया या आखिरी छोर नहीं बल्कि सुरक्षा और समृद्धि के गेटवे हैं। राष्ट्र की सुरक्षा भी यहीं से सुनिश्चित होती है और दूसरे देशों से व्यापार भी यहीं से होता है।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले यहां योजनाओं के लिए सिर्फ फीते काटे जाते रहे। हमने पूर्वोत्तर के विकास पर सात लाख करोड़ खर्च किए। पीएम मोदी ने कहा कि हम पूर्वोत्तर का पूरी ईमानदारी से विकास कर रहे हैं। हम विकास मॉडल बना रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर में वोट बैंक की राजनीति खत्म की है। आज पूर्वोत्तर को सस्ती हवाई सेवा का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक देश में ये सोच रही है कि बॉर्डर एरिया में विकास होगा, कनेक्टिविटी बढ़ेगी तो दुश्मन को फायदा होगा। पहले की सरकारों की इसी सोच के कारण पूर्वोत्तर समेत देश के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर नहीं हो पाई। अब विवादों का बॉर्डर नहीं, विकास का कॉरिडोर है। आज डंके की चोट पर बॉर्डर पर नई सड़कें, नई टनल, नए पुल, नई रेल लाइन, नए एयर स्ट्रिप बनाने का काम तेजी से चल रहा है। जो सीमावर्ती गांव कभी वीरान हुआ करते थे, हम उन्हें वाइब्रेंट बनाने में जुटे हैं। हम वाइब्रेंट बॉर्डर विलेज बनाएंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उत्तर-पूर्व परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अब हर 15 दिन में एक मंत्री नॉर्थ ईस्ट का दौरा करते हैं और नरेंद्र मोदी ने पीएम बनने के बाद 50 से ज्यादा बार इस क्षेत्र का दौरा किया है। DONER (पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास) का गठन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था और अब पीएम मोदी ने सुनिश्चित किया कि सभी बड़ी परियोजनाएं समय पर पूरी हों।

शिकोहाबाद में चालक को नींद का झोंका आने से कार डिवाइडर से टकराई, दंपती सहित तीन की मौत, दो घायल

शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)। दिल्ली से जिला पश्चिमी बितिया बिहार जा रही स्विफ्ट डिजायर कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर चालक को नींद का झोंका आने से डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची यूपीडा व पुलिस ने शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उपचार के दौरान एक और महिला की मौत हो गई। चालक मोहम्मद अजहरुद्दीन पुत्र यासीन अंसारी निवासी गली नंबर 1 कौशिक पुरी दिल्ली से बेतिया बिहार के लिए जा रहा था। उसके साथ मे उसके पिता मोहम्मद यासीन अंसारी पुत्र सलामत अंसारी, पत्नी इननियारा खातून, बेटी सायरा, भाई नसबुद्दीन अंसारी बैठे हुए थे। रविवार की सुबह चालक को नींद का झोंका आ गया जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर पर चढ़कर अंडरपास पर बनी पुलिया से टकराकर गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे से कार में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे में मोहम्मद यासीन अंसारी व इननियारा खातून की मौके पर मौत हो गई। जबकि अन्य शेष तीन लोग घायल हो गए हैं।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ विध्वंसक युद्धपोत मोरमुगाओ, नेवी चीफ ने बताया मील का पत्थर

मुंबई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मुंबई में स्वदेश निर्मित P15B स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत 'मोरमुगाओ' को भारतीय नौसेना को सौंप दिया। 'मोरमुगाओ' की जरिए भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में पहुंच बढ़ेगी तथा देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और चाकचौबंद होगी। इस कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और अन्य गणमान्य व्यक्ति आईएनएस मोरमुगाओ, एक पी15बी स्टील्थ-गाइडेड विध्वंसक मिसाइल के कमीशनिंग समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में आज का दिन एक और मील का पत्थर है क्योंकि हमने विध्वंसक मोरमुगाओ को चालू किया है, खासकर जब हमारी सिस्टर शिप विशाखापत्तनम को एक साल पहले ही भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले दशक में युद्धपोत डिजाइन और निर्माण क्षमता में हमारे द्वारा उठाए गए बड़े कदमों का संकेत है। नौसेना में शहरों के नाम पर जहाजों के नाम रखने की परंपरा है जो दोनों के बीच एक स्थायी कड़ी बनाती है।

यह भारत की समुद्री क्षमता में बढ़ोतरी करेगाः राजनाथ सिंह– मुंबई में भारतीय नौसेना आयोग द्वारा स्वदेशी रूप से निर्माण मिसाइल विध्वंसक INS मोरमुगाओ के कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि INS मोरमुगाओ भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली युद्धपोत में से एक है। यह भारत की समुद्री क्षमता में बढ़ोतरी करेगा। MDSL द्वारा तैयार यह युद्धपोत हमारी स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है, कि आने वाले समय में हम न केवल अपनी जरूरतों के लिए, बल्कि दुनिया भर की जरूरतों के लिए भी जहाज निर्माण करेंगे।

एल्डर कमेटी ने चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव कमेटी का किया गठन

प्रखर डेस्क। एल्डर कमेटी का चुनाव संपन्न कराने के लिए चेयरमैन राधेलाल श्रीवास्तव ने चुनाव कमेटी का गठन किया । बतादे कि एल्डर कमेटी के चेयरमैन राधेलाल श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 पर्यवेक्षक नियुक्त किये गए हैं। जिनमें मुख्य रूप से दीनानाथ सिंह, सौरभ कुमार श्रीवास्तव,राधेश्याम चौबे,सभाजीत सिंह,मजाहिरुल हक,अशोक सिंह प्रिंस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एल्डर कमेटी के सदस्यों ने निस्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक दिन पूर्व चुनाव की सारी तैयारी पूरी कर ली है। चुनाव में सदस्यों के रूप में राधेलाल श्रीवास्तव, राधेमोहन त्रिपाठी, केसर राय , जे पी सिंह,अजय कुमार श्रीवास्तव,महफूज आलम, संतोष कुमार सिंह के अलावा विशेष आमंत्रित सदस्यो में मनोनीत किए गए। रामजन्म सिंह, हरिदास यादव ,अशोक राय, लालमन वर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहें।

आफताब से भी शातिर दिलदार : लोहे काटने वाली मशीन से पत्नी के 50 टुकड़े किए, पुलिस ने बताई हत्या की वजह

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले में पत्नी की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने शनिवार (17 दिसंबर) को दिलदार अंसारी नाम के शख्स को गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़िता की पहचान रुबिका पहाड़ी नाम की 22 वर्षीय आदिवासी महिला के रूप में हुई है। मामला तब सामने आया जब साहिबगंज के बोरियो संथाली इलाके में आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे पीड़िता के शरीर के 12 टुकड़े मिले। शनिवार शाम इस घटना की भनक तब लगी जब किसी शख्स ने आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे एक महिला के पैर और सीने के कटे टुकड़े को कुत्ते को नोच-नोचकर खाते देखा। पुलिस ने आरोपी पति दिलदार अंसारी (ङ्मं१ि अल्लर२ं१) को गिरफ्तार कर लिया है। अब इस वारदात के सामने आने के बाद पुलिस का बयान भी सामने आया है। पुलिस ने बताया कि आखिर दिलदार ने इस घटना को क्यो अंजाम दिया? संथाल के डीआईजी सुदर्शन प्रसाद

मंडल ने कहा कि रुबिका पहाड़ी दिलदार अंसारी की दूसरी पत्नी थी, उनकी पहले से ही एक पत्नी थी। यही उनके निजी विवाद का कारण था। इसके चलते उन्होंने उसकी हत्या कर दी और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। जांच में उसके पति के शामिल होने की बात सामने आई है। साहिबगंज के दिलदार अंसारी पर आरोप है कि उसने अपनी 22 वर्षीय पत्नी रुबिका पहाड़ी (फ्रु" ढँ) को कटर से बारह टुकड़ों में काट दिया गया है। मृतका रुबिका पहाड़ी प्रेम विवाह के बाद पति दिलदार अंसारी के साथ बेलटोला स्थित घर पर रहती थी। दिलदार पर आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही वह अपनी पत्नी से झगड़ने लगा था। आखिरकार झगड़े से तंग आकर उसने खतरनाक प्लान बनाया और फिर पत्नी की हत्या कर इलेक्ट्रिक कटर से शव के 12 टुकड़े कर दिए। फिर उसे आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे फेंक दिया।

लापता 8 वर्षीय बच्ची का कुंए में उतराया मिला शव,परिजनो में मचा कोहराम, जांच में जुटी पुलिस

मिथिलेश ठाकुर

प्रखर ब्यूरो चकिया चंदौली। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत पंडीगांव में स्थित ईंट भट्टे के पास से कुएं में उतराया हुआ 8 वर्षीय बच्ची का शव मिला।शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

वही शुक्रवार की रात्रि लगभग 8 बजे रोजाना के तरह चांदनी अपने पिता बाबूलाल को खाना पहुंचाने के लिए गांव में ही स्थित संदीप यादव के ईंट भट्टे पर घर से निकली थी, लेकिन चांदनी के पिता बाबूलाल के बताने के अनुसार उसकी बेटी उस दिन ईंट भट्टे पर नही पहुंची। जिसके बाद चांदनी के परिजन खोजबीन में लग गये।वही जब काफी खोजबीन करने के बाद भी बाबूलाल की बेटी चांदनी नहीं मिली तब परिजनों ने चकिया कोतवाली में आकर तहरीर दिया।परिजनों की तहरीर देने के बाद चकिया कोतवाली पुलिस चांदनी के खोजबीन में जुट गई।वही रविवार की दोपहर मे ग्रामीणों ने पंडी गांव में स्थित कुएं में उतराया हुआ शव देखा। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची चकिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

बिहार में नाबालिग के साथ दरिंदगी की हदें पार, सामूहिक दुष्कर्म के बाद की हत्या, शव को जेसीबी से दफनाया

बगहा (पश्चिमी चम्पारण)। पश्चिमी चम्पारण जिले के बगहा शहर के पटखौली थाना अंतर्गत पोखरभिंडा गांव में एक नाबालिग छात्रा का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। आशंका जताई जा रही है कि छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद हत्या की गई है और शव को दफना दिया गया है। स्वजन ने गांव के ही चार लोगों पर शक जताते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। रविवार की सुबह शव मिलने की खबर सुनते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गड्ढे से शव बाहर निकाला।

पुआल देने के बहाने खेत में बुलाया– बता दें की छात्रा एक सरकारी विद्यालय में 6 में पढ़ती थी। एक हफ्ते से गायब थी। मृतक छात्रा की मां का कहना है की वह एक शादी में गई थी, तभी जीतन यादव नामक व्यक्ति का फोन आया की पुआल रखा हुआ है। बेटी को खेत में भेज दीजिए ताकि वह पुआल लेते आए। जीतन पुआल देने के बहाने खेत में बुलाकर ले गया तभी से उसकी बेटी गायब हो गई।

दुष्कर्म कर गड्ढे में दफनाया– महिला जब थाना पहुंची तो उसने बताया की जीतन यादव, मनोज यादव और विनोद यादव समेत अन्य आरोपियों ने बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसका गला घोंट दिया और इसके बाद जेसीबी से उसे गड्ढे में दफना दिया। जब उसने इस बात के लिए पटखौली थाना पर आवेदन दिया तो थानाध्यक्ष ने आवेदन फेंक दिया।

घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश– इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को गड्ढे से निकलवाया और बताया की दुष्कर्म कर गला दबाकर हत्या करने की आशंका है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। बता दें की छात्रा का शव स्कूल ड्रेस में ही मिला है जिसको लेकर इलाके में तरह-तरह की बातें की जा रही हैं।

यूपी में पर्यटन की अपार संभावनाएं हजारों करोड़ के किए जा रहे विकास कार्य

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में हर प्रकार के पर्यटन के लिए अपार संभावनाएं हैं। बीते पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश देश में डॉमेस्टिक टूरिज्म में पहले नंबर पर उभर कर सामने आया है। वह रविवार को 37वें इण्डियन एसोसिएशन आफ टुअर आपरेटर्स (आयटो) के वार्षिक सम्मेलन के समापन समारोह में सुशांत गोल्फ सिटी स्थित द सेन्ट्रम होटल में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन के लिहाज से दुनिया की सबसे प्राचीनतम नगरी काशी हमारे उत्तर प्रदेश में है जहां कोई भी पर्यटक हर हर महादेव का नारा लगाए बगैर नहीं रह सकता। काशी में एक वर्ष पहले जहां एक करोड़ सालाना पर्यटक आते थे, वहीं इस वर्ष सिर्फ सावन माह में एक करोड़ पर्यटक प्रदेश में आए हैं। इसके अलावा अयोध्या भी इसी प्रदेश में है जहां हर भारतीय की पहुंचने और दर्शन करने की अभिलाषा रहती है। अयोध्या पहुंचकर कोई भी व्यक्ति जय श्रीराम बोले बगैर नहीं रह सकता। अयोध्या में मंदिर निर्माण के कार्य के साथ ही 30 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट आसपास के क्षेत्र में चल रहे हैं। आने वाले समय में अयोध्या दुनिया की सुंदर नगरी के रूप में सामने होगी। आज अयोध्या में जितने पर्यटक आ रहे हैं इनकी संख्या मंदिर निर्माण के बाद 10 गुना बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा मथुरा और वृंदावन भी यहीं है जहां आध्यात्मिक विकास के साथ ही भौतिक विकास भी हो रहा है। यहां के विकास के लिए करीब 25000 करोड़ योजनाएं चल रही हैं। यही नहीं प्रयागराज उत्तर प्रदेश का प्रमुख स्थान है जहां वर्ष 2019 में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे और कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हुई। इनके अलावा भगवान बुद्ध से जुड़े प्रमुख केंद्र भी उत्तर प्रदेश में ही हैं। इसी के तहत बुद्ध सर्किट से जुड़े हुए शहरों में भी व्यापक स्तर पर विकास कार्य चल रहे। इसके साथ ही नैमिषारण्य, चित्रकूट और विंध्यवासिनी धाम को भी सुविधाओं से संपन्न किया जा रहा है।

नियुक्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री योगी शिक्षकों से बोले- ट्रांसफर-पोस्टिंग में न पड़ें अपना काम करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने नियुक्ति पत्र पाने वाले सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप कोशिश करें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर नवाचार तैयार करें। हमें हमेशा अपने आप को अपडेट रखना होगा। इससे समस्याओं का समाधान भी होगा। आपका सम्मान भी होगा। आप सभी नवनियुक्त युवाओं से मेरा कहना है कि आप नियुक्ति के बाद ट्रांसफर पोस्टिंग के चक्कर मे मत पड़ना। आपको अपनी जिम्मेदारियों निर्वहन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योग्यता ही आपको सम्मान दिलाएगी। सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से एक क्रांतिकारी कदम उठाया है,। भारत दुनिया के अंदर शिक्षा के एक बहुत बड़े केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है। आज छात्र पर डिग्री डिप्लोमा लेकर निकलता है तो एक चौराहे पर खड़ा होता है कि क्या करे? उस छात्र को तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षक की ही होती है। आप शासन के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे तो इससे आप के साथ-साथ छात्र और संस्थान दोनों बढ़ेंगे। हमने एक लाख 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की है। शासकीय कॉलेजो में 40 हजार की नियुक्तियां हुई हैं। उच्च शिक्षा की भर्तियां अलग हैं। इस बात से आप प्रेरित होंगे

कि ऐसी ही निष्पक्षता अपने कार्यपद्धति में लाना होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है। हमें इसके विकास के लिए सहयोग भी देना होगा। संस्कृत शिक्षकों की भी भर्तियां हमने करवाई। भर्ती प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है लेकिन हमको उस निष्पक्षता की कार्यपद्धति को अपनाना होगा। भर्तियां पूरी हुई है तो ,नियुक्ति भी जरूर होगी। वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में समय लगता है तो मैं खुद विभागों से इस के लिए जानकारी लेता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, आपने पिछले साढ़े पांच-छह वर्षो में प्रदेश के माहौल और कार्यपद्धति को देखा होगा। प्रदेश बदला है। निवेश आया है। हमारा क्या योगदान हो जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ हो। इसकी ओर सोचना होगा। नीति आयोग की रैंकिंग में आज उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। टॉप 10 में 5 जनपद उत्तर प्रदेश के हैं। टॉप 20 में हमारे 8 जनपद हैं। आज यूपी में निवेश आ रहा है इससे युवाओं को असीम अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश की छवि साढ़े पांच साल पहले क्या थी आप भी जानते होंगे। युवाओं को रहने के लिए कमरे नहीं मिलते थे। आज ये धारणा बदली है। आप उत्तर प्रदेश को नई पहचान बनाने के अभियान में सहायक होंगे। इस शुभकामना के साथ आपको हृदय से बधाई।

दिल्ली में दर्दनाक सड़क हादसा : बेकाबू कार ने फुटपाथ पर तीन बच्चों को कुचला

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में एक व्यक्ति की कार का संतुलन बिगड़ने से फुटपाथ पर चढ़ गई जिससे तीन बच्चे घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह 9 बजे गजेंद्र नाम के शख्स की कार का बैलैंस बिगड़ गया और वह फुटपाथ पर जाकर चढ़ गई। इस दौरान फुटपाथ पर मौजूद तीन बच्चों को टक्कर लग गई। 10 वर्षीय और चार वर्षीय दो बच्चे की हालत ठीक है जबकि 6 साल के अन्य बच्चे की जांच की जा रही है। कार और ड्राइवर को पुलिस ने कस्टडी में ले लिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ब्रेजा कार चला रहा था चालक– ऐसा बताया जा रहा है कि प्रताप विहार में रहने वाला गजेंद्र मारुति की ब्रेजा कार से जा रहा था। उसकी कार लीलावती स्कूल के पास अचानक से फुटपाथ पर चढ़ गई जिसके कारण ये हादसा हुआ।

संपादकीय

5 महीने में महाराष्ट्र के 1237 किसानों की मौत ?

30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए यह भरोसा दिलाया था कि महाराष्ट्र में अब कोई किसान आत्महत्या नहीं करेगा। राजनेता दावे तो बड़े-बड़े कर देते हैं लेकिन उनका असलियत से कोई लेना देना नहीं होता है। पिछले 5 माह में महाराष्ट्र के 1200 किसानों ने आत्महत्या कर ली। भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र की 49 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसल खराब हो गई। किसान कर्ज में आ गए। राज्य सरकार ने अभी तक मुआवजा नहीं दिया। किसान दाने-दाने को मोहताज हो गए। वह कर्ज और अपने परिवार को 2 जून की रोटी मुहैया कराने में सफल नहीं हो पाए और उन्होंने आत्महत्या करके जीवन एवं जिम्मेदारियों से अपना पीछा छुड़ा लिया। महाराष्ट्र सरकार ने फसल मुआवजा दुगना करने की घोषणा की थी। भारी बारिश के कारण प्याज सड़ गई। चीनी मिल का भुगतान नहीं हुआ। बिजली बिल बकाया होने के कारण किसानों के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। किसानों के कर्ज माफी की बात तो दूर बैंकों ने जबरिया कर्ज की वसूली शुरू कर दी। महाराष्ट्र सरकार किसानों की समस्याओं और उन्हें सहायता देने के मामले में बेखबर बनी रही। जिसके कारण हजारों की संख्या में किसानों को आत्महत्या करने के लिये विवश होना पड़ा। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के किसानों ने सबसे ज्यादा आत्महत्या की है। मंत्रिमंडल में इन्हीं स्थानों के मंत्री ज्यादा हैं। दिसंबर 2019 से नवंबर 2023 तक के 3 सालों में महाराष्ट्र के 8135 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा अमरावती के 3381 औरंगाबाद के 2701 नासिक के 1102 नागपुर के 951 किसानों ने आत्महत्या कर ली। किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करने वाली सरकारों के लिए किसानों की आत्महत्या करना जैसे बहुत छोटी घटना है। मुख्यमंत्री और मंत्री और राजनीतिक दल बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन किसानों की दिन प्रतिदिन आर्थिक हालत बद से बदतर होती जा रही है। लोग अपनी जमीन बेचकर मजदूरी करने के लिए विवश हो रहे हैं। नेताओं और सरकारों के कानों में जूं नहीं रेंग रही है। महाराष्ट्र अकेला राज्य नहीं है लगभग सभी राज्यों में किसानों की इसी तरीके की स्थिति देखने को मिल रही है। किसानों की आत्महत्या के मामले बड़े पैमाने पर बढ़ते जा रहे हैं। किसानों के ऊपर कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। फसल बीमा का मुआवजा भी ऊंट के मुंह में जीरे के समान होने से किसानों का तो कोई भला होता नहीं है। सरकार जरूर वाहवाही लूट लेती है। पिछले कुछ वर्षो में डीजल एवं खाद के रेट बढ़े हैं। जिसके कारण किसानों की उत्पादन लागत बढ़ गई है। पिछले वर्षो में भाड़ा 2 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। कभी-कभी किसानों को अपना उत्पाद बाजार तक ले जाने में जो भाड़ा लगता है उतने में उसकी फसल नहीं बिक पाती है। जनप्रतिनिधि इन समस्याओं पर ध्यान नहीं देते हैं। किसानों को खाद ब्लेक में खरीदनी पड़ी समय पर खाद नहीं मिली जिसका असर उत्पादन पर पड़ा। भारत के सभी राज्यों में असंगठित क्षेत्र के किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। भारतीय किसान संघ जैसे संगठन किसानों के नाम पर राजनीति करते हैं। किसानों का भला तो हुआ नहीं किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेता सरकार और पार्टी से जरुर लाभांवित हुए हैं। वहीं किसानों की हालत आज भी भगवान भरोसे है।

होता है हिसाब!

रहे गिना लोग ।
किए अपने काम ।।
जानता जनमानस ।
लेकिन सब तमाम ।।
अंदरखाने बात भी ।
रही लेकिन चल ।।
खोजते हैं सारे ।
निकले भी कुछ हल ।।
लेकिन अंतराल पर ।
फैसला भी आता ।।
होता है हिसाब ।
जो है बही खाता ।।
करते पर वो सब कुछ ।
हो जिससे अब नाम ।।
है यह भी दिखाना ।
करते ना आराम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

शाकाहार और सदाचार के समर्थक

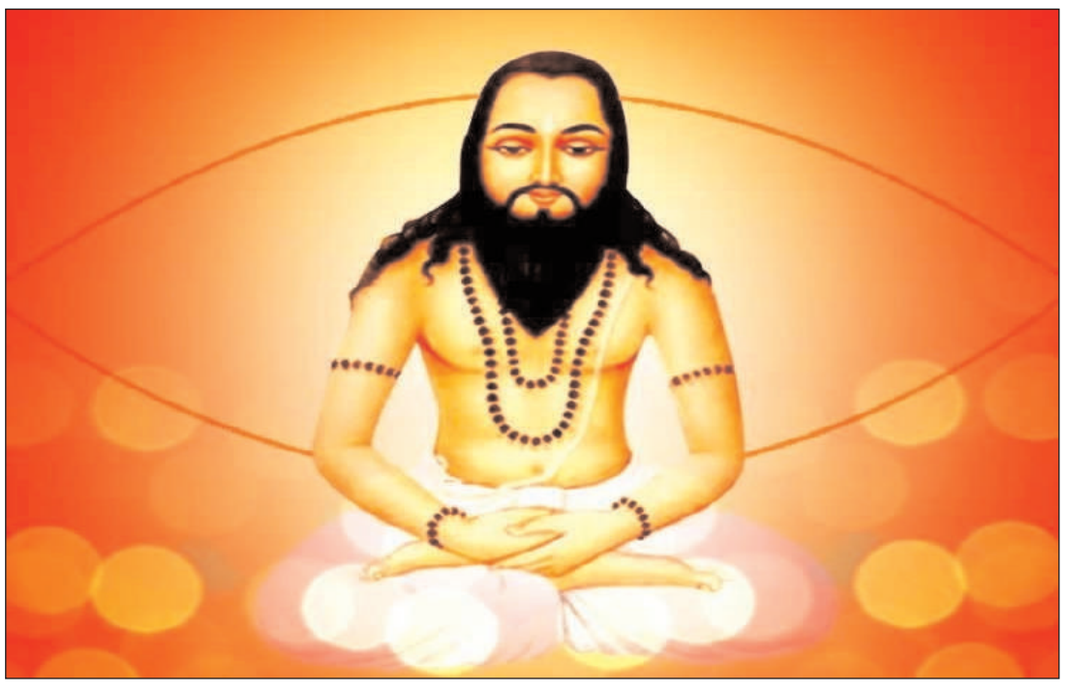

गुरू घासीदास (१७५६- अंतर्ध्यान अज्ञात) ग्राम गिरौदपुरी तहसिल बलौदाबाजार जिला रायपुर में पिता महंगुदास जी एवं माता अमरौतिन के यहाँ अवतरित हुये थे गुरू घासीदास जी सतनाम धर्म जिसे आम बोल चाल में सतनामी समाज कहा जाता है के प्रवर्तक है। गुरूजी भंडारपुरी को अपना धार्मिक स्थल के रूप में संत समाज को प्रमाणित सत्य के शक्ति के साथ दिये वहाँ गुरूजी के वंशज आज भी निवासरत है। उन्होंने अपने समय की सामाजिक आर्थिक विषमता शोषण तथा जातिवाद को समाप्त करके मानव-मानव एक समान का संदेश दिये। इनसे समाज के लोग बहुत ही प्रभावित रहे हैं।

सन १६७२ में वर्तमान हरियाणा के नारनौल नामक स्थान पर साध बीरभान और जोगीदास नामक दो भाइयों ने सतनामी साध मत का प्रचार किया था। सतनामी साध मत के अनुयायी किसी भी मनुष्य के सामने नहीं झुकने के सिद्धांत को मानते थे। वे सम्मान करते थे लेकिन किसी के सामने झुक कर नहीं। एक बार एक किसान ने तत्कालीन मुगल बादशाह औरंगजेब के कारिंदे को झुक कर सलाम नहीं किया तो उसने इसको अपना अपमान मानते हुए उस पर लाठी से प्रहार किया जिसके प्रत्युत्तर में उस सतनामी साध ने भी उस कारिन्दे को लाठी से पीट दिया।

यह विवाद यहीं खत्म न होकर तूल पकडते गया और धीरे धीरे मुगल बादशाह औरंगजेब तक पहुँच गया कि सतनामियों ने बगावत कर दी है। यहीं से औरंगजेव और सतनामियों का ऐतिहासिक युद्ध हुआ था। जिसका नेतृत्व सतनामी साध बीरभान और साध जोगीदास ने किया था। युद्ध कई दिनों तक चला जिसमें शाही फौज मार निहत्थे सतनामी समूह से मात खाती चली जा रही थी। शाही फौज में ये बात भी फैल गई कि सतनामी समूह कोई जादू टोना करके शाही फौज को हरा रहे हैं। इसके लिये औरंगजेब ने अपने फौजियों को कुरान की आयतें लिखे तावीज भी बंधवाए थे लेकिन इसके बावजूद कोई फरक नहीं पड़ा था। लेकिन उन्हें ये पता नहीं था कि सतनामी साधों के पास आध्यात्मिक शक्ती के कारण यह स्थिति थी। चूंकि सतनामी साधों का तप का समय पूरा हो गया था उनमे अद्भुत ताकत और वे गुरू के समक्ष अपना समर्पण कर वीरगति को प्राप्त हुए। बचे हुए सतनामी सैनिक पंजाबमध्य प्रदेश कि ओर चले गये । मध्यप्रदेश वर्तमान छत्तीसगढ़ मे संत घासीदास जी का जन्म हुआ औ? वहाँ पर उन्होंने सतनाम पंथ का प्रचार तथा प्रसार किया। गुरू घासीदास का जन्म १७५६ में बलौदा बाजार जिले के गिरौदपुरी में एक गरीब और साधारण परिवार में पैदा हुए थे। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात किया। जिसका असर आज तक दिखाई पड रहा है। उनकी जयंती हर साल पूरे छत्तीसगढ़ में १८ दिसम्बर को मनाया जाता है।

गुरू घासीदास जातियों में भेदभाव व समाज में भाईचारे के अभाव को देखकर बहुत दुखी थे। वे लगातार प्रयास करते रहे कि समाज को इससे मुक्ति दिलाई जाए। लेकिन उन्हें इसका कोई हल दिखाई नहीं देता था। वे सत्य की तलाश के लिए गिरौदपुरी के जंगल में छाता पहाड पर समाधि लगाये इस बीच गुरूघासीदास जी ने गिरौदपुरी में अपना आश्रम बनाया तथा सोनाखान के जंगलों में सत्य और ज्ञान की खोज के लिए लम्बी तपस्या भी की। गुरु घासीदास ने सतनाम धर्म की स्थापना की और सतनाम धर्म की सात सिद्धांत दिए।

सतनामी समाज १९५० के बाद से आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े होने के कारण अनुसुचित जाति मे शामिल कर लिया गया

गुरू घासीदास की शिक्षा

गुरु घासीदास बाबा जी के शिक्षा दीक्षा के संबंध में जितने भी जानकारियां दी जाती है वे सब भ्रामक है उन्होंने किसी से भी शिक्षा प्राप्त नहीं किया और न ही उनके कोई गुरु थे बाबा घासीदास स्वयं महाज्ञानी थे।

गुरू घासीदास बाबाजी ने समाज में व्याप्त जातिगत विषमताओं को नकारा। उन्होंने ब्राम्हणों के प्रभुत्व को नकारा और कई वर्णों में बांटने वाली जाति व्यवस्था का विरोध किया। उनका मानना था कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति सामाजिक रूप से समान हैसियत रखता है। गुरू घासीदास ने मूर्तियों की पूजा को वर्जित किया। वे मानते थे कि उच्च वर्ण के लोगों और मूर्ति पूजा में गहरा सम्बन्ध है।

गुरू घासीदास पशुओं से भी प्रेम करने की सीख देते थे। वे उन पर क्रूरता पूर्वक व्यवहार करने के खिलाफ थे। सतनाम पंथ के अनुसार खेती के लिए गायों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिये। गुरू घासीदास के संदेशों का समाज के पिछड़े समुदाय में गहरा असर पड़ा। सन् 1901 की जनगणना के अनुसार उस वक्त लगभग 4 लाख लोग सतनाम पंथ से जुड़ चुके थे और गुरू घासीदास के अनुयायी थे। छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर नारायण सिंह पर भी गुरू घासीदास के सिध्दांतों का गहरा प्रभाव था। गुरू घासीदास के संदेशों और उनकी जीवनी का प्रसार पंथी गीत व नृत्यों के जरिए भी व्यापक रूप से हुआ। यह छत्तीसगढ़ की प्रख्यात लोक विधा भी मानी जाती है।

सत्गुरू घासीदास जी की सात शिक्षाएँ हैं-

(१) सतनाम पर विश्वास रखना। (२) जीव हत्या नहीं करना। (३) मांसाहार नहीं करना। (४) चोरी जुआ से दूर रहना। (५) नशा सेवन नहीं करना। (६) जाति-पाति के प्रपंच में नहीं पड़ना। (७) व्यभिचार नहीं करना।

सत्य एवं अहिंसाधैर्य लगनकरूणा कर्म सरलता व्यवहार

गौ आधारित राष्ट्र की आर्थिक संरचना

गौ आधारित जीवन संरचना हमारा मूलाधार है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। इसके इर्द-गिर्द ही हमारी अर्थव्यवस्था घूमती है। यथार्थ भारतीय संस्कृति में धरती गौ और जननी को मां का स्थान दिया गया है। भारतवर्ष सदैव से कृषि और कृषि प्रधान राष्ट्र रहा है। इस राष्ट्र की आर्थिक एवं मानव जीवन की संरचना का केंद्र बिंदु गौ आधारित रहा है। इसे सुरक्षित और संरक्षित करने की जिम्मेदारी अब हमारी है। यथेष्ठ हमारे मंत्र दृष्टा ऋषि ने गौमाता के महत्व को समझते हुए प्रत्येक मनुष्य के लिए गौपालन और गौसंरक्षण का सूत्र दिया है। गौ आधारित आर्थिक संरचना के बल पर यह भारत भूमि शस्य- श्यामला और धन-धान्य से परिपूर्ण रही। ऐसी गौ आधारित आर्थिक संरचना के बल पर यह भारत राष्ट्र सोने की चिड़िया कहलाता था। जैसी गौमाता की स्थिति होती है वैसी हम सबकी एवं समग्र विश्व की परिस्थिति निर्माण होती है।

स्तुत्य समुद्र मंथन के दौरान निकले 14 रत्नो में से एक कामधेनु गाय भी थी। जिसे भगवान श्री कृष्ण अपना स्वरूप बताते है। गौपालन वैदिक समाज एवं संस्कृति का केन्द्रीय तत्व था। गौमाता का दुग्ध दही घृत गोबर एवं गौमूत्र से तैयार पंचगव्य को साधना एवं औषधि के एक प्रमुख घटक के रूप में प्रयोग किया जाता था जिसका चलन आज भी जारी है। ग्रामीण जीवन का तो यह आधारस्तंभ भी है। शारीरिक स्वास्थ्य एवं निरोगिता में गौदुग्ध घृत एवं दही के सेवन का महत्व सर्वविदित है। गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों तक को निरस्त करने की क्षमता को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित किया जा चुका है। गौमूत्र औषधीय गुणो से भरा हुआ है। ऐसे ही गौ का संग सानिध्य एवं इसके उत्पादो का सेवन मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से व्यक्ति का कायाकल्प करने वाला पाया गया है। अभिभूत गौपालन पर आधारित संस्कृति के माध्यम से परिवार एवं सामाज में सात्विक भावों का प्रसार आज के वैचारिक प्रदूषण से दूषित होते युग में एक बहुत बड़ा कार्य है। साथ ही गौ-उत्पाद आर्थिक स्वावलंबन के सुदृढ़ आधार हो सकते है। शोध के आधार पर जैविक कृषि की सर्वांगिण सफलता देशी नस्ल की गाय पर केन्द्रित मानी जा रही है जिसमें गाय के गोबर से लेकर गौमूत्र का बहुतायत में उपयोग किया जाता है। इन सब लाभो के आधार पर ग्रामीण जीवन के उत्थान से जुड़े कार्यक्रमो की केन्द्रीय धूरी के रूप में गोपालन की उपयोगिता स्वयंसिद्ध है लेकिन देश में इसकी वर्तमान स्थिति बहुत संतोषजनक नही है।

अलबत्ता आज भी व्यापक स्तर पर गौपालन उपेक्षा का शिकार है। शहरो में अवारा पशु के रूप में जहॉ-तहॉ इसे टहलते देखा जा सकता है। कुछ अज्ञानतावश तो कुछ व्यक्ति की अदूरदर्शिता एवं लोभवृत्ति के कारण गौपालन में विकृति आ चली है। गाय से अधिक से अधिक दूध एवं लाभ लेने की वृत्ति के चलते पारंपरिक रूप से उपलब्ध देसी गायों की उपेक्षा हो रही है तथा कुछ नस्ले तो विलुप्त के कगार पर है। इनके स्थान पर ऐसी नस्लो की गायों के पालन का चलन बढ़ चला है जिनसे अधिक दूध एवं तात्कालिक आर्थिक लाभ मिलता हो लेकिन दूरगामी दृष्टि से इनसे लाभ की तुलना में हानि अधिक हो रही है। न इसके दुग्ध में वो स्वास्थ्यवर्धक गुण रहते है न ही सात्विकता का भाव जिस कारण इसका स्वास्थ्यवर्धक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जा रहा है। इस परिस्थिति में शुद्ध देशी नस्लों के गौधन के संवर्द्धन एवं प्रसार की आवश्यकता है। आवश्कयता हर घर में गौपालन तथा हर ग्राम में गौशालाओं की स्थापना की है। तथा इनको सवंर्द्धित करने की है जिससे स्वावलंबी ग्रामीण जीवन आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सके।

अपनी बदहाली के आशू रो रही नायकड़ीह गांव की सड़क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के सैदपुर ब्लाक क्षेत्र के नायकडीह गांव का रोड बद से बत्तर हालत में है जिसे पूर्व सांसद मनोज सिन्हा के कार्यकाल में उनके द्वारा गोद लिया गया गांव था ।उसी वक्त से इस गांव की सड़कों का हालत बत्तर दशा में है जबकि इस गांव में वैष्णव पीठ बाबा कीनाराम का स्थान भी है जो भी श्रद्धालु आते जाते है उन्हे सड़क पर जमे पानी में से होकर जाना पड़ता है जो की प्रदेश शासन एवम जिला प्रशासन के लिए बहुत शर्म की बात है श्रद्धालु गंदे पानी में से होकर जाते है नायकडीह निवासी भोलू सिंह इसकी विभागीय शिकायत भी कर चुके है और वर्तमान विधायक से भी कर चुके है पर अब तक किसी के ऊपर प्रभाव नही पड़ा। इस रोड से प्रतिदिन लगभग हजारों की संख्या में राहगीरों का आवागमन रहता है ।अभी कुछ दिन पहले बाबा कीनाराम के दर्शन पूजन के लिए जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा आए थे तब भी इस सड़क मार्ग का किसी को ध्यान नहीं गया। इस समय उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना गड्ढा मुक्त उत्तर प्रदेश का यह छोटा सा नमूना है सिर्फ कागजों में गड्ढा मुक्त उत्तर प्रदेश हो रहा है जमीन स्तर पर देखा जाए तो सिर्फ कागज में कार्य चल रहा है इसकी शिकायत नायकडीह निवासी राजू सिंह मुख्यमंत्री पोर्टल सहायक विकास अधिकारी से किए पर आज तक इसका कोई निवारण नही हो सका ग्रामीणों ने इसका विरोध प्रदर्शन के लिए गंदे पानी में खड़ा होकर प्रकट किए ग्रामवासियों में मौके पर भोला जायसवाल, राजू सिंह, आजाद सिंह, सोनू जायसवाल, शत्रुंजय सिंह,अजय सिंह, हलचल सिंग, सौरभ सिंह, भीषण सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण काशी विश्वनाथ व सारनाथ ऐतिहासिक स्थल घूमे बच्चे

पिंडरा। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय सैरागोपालपुर के छात्र छात्राओं ने रविवार काशी विश्वनाथ त्रिपाठी और नमो घाट का भ्रमण कर ऐतिहासिक महत्व को जाना। शैक्षिक भ्रमण के दौरान दर्जनों छात्रों को विद्यालय के अध्यापकों द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर का दर्शन कराते हुए बच्चों को भीड़ भाड़ से युक्त कारीडोर घुमाया गया उसके बाद बच्चों को नमो घाट का भ्रमण करते हुए ऐतिहासिक स्थल सारनाथ पहुचे । जहां उन्हें भगवान बुद्ध के उपदेश स्थल दिखाते हुए चिड़िया घर भी घुमाया गया । तत्पश्चात धम्मेख स्तूप दिखाते हुए गौतम बुद्ध के सिंद्धान्तों से अवगत कराया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान प्रधानाध्यापक मनोज कुमार सिंह, स0 अध्यापक कौशल कुमार, सिद्धनाथ, सुनील कुमार, वेदप्रकाश सिंह, राहुल सिंह, प्रीति सोनकर, संगीता व नगीना देवी रही।

मनाया गया कामरेड वीएम का 24 वां स्मृति दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा (माले) के दिवंगत महासचिव कामरेड विनोद मिश्र के 24वां स्मृति दिवस को जमानियां कस्बा, के देवमती माडर्न स्कूल, खानपुर में, करन्डा गांव प्राथमिक विद्यालय में, गाजीपुर तुलसी सागर लंका कार्यालय पर कामरेड वीएम के चित्र पर माल्यार्पण कर संकल्प दिवस के रूप में मनाया । तथा स्मृति दिवस पर उनके सपनो को पूरा करने का संकल्प लिया गया।

संकल्प दिवस पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) जिला सचिव रामप्यारे राम ने कहा कि कामरेड विनोद मिश्र सपना था कि सत्ता सही अर्थों में जनता के हाथ में और प्रत्येक नागरिक पूरी तरह से आजाद हो,एक ऐसा भारत जिसमें एकता का आधार विविधता के सम्मान में हो, जहां मतभिन्नताए नफरत भड्काने और जनता को बांटने के लिए इस्तेमाल न हो, जहां लोकतंत्र की ताकत असहमति का सम्मान और आपसी संवाद में हो, उन्होंने ऐसे भारत का सपना देखा था, जिसमें धर्म और राजनीति का घालमेल बिल्कुल न हो, और राजनीति गैरबराबरी उत्पीडन, और शोषण,पर आधारित समाज व्यवस्था के विरुद्ध सामाजिक परिवर्तन का औजार बने। उन्होंने सभी संघर्षशील ताकतों के साथ एकताबद्ध हो, कम्यूनिस्ट आन्दोलन को न ई जमीन देने की, चुनौती को स्वीकार करने के लिए पार्टी को प्रेरित किया ताकि भारत की साम्प्रदायिक फासीवादी राज्य में तब्दील करने के संघ ब्रिगेड के मंसूबे को शिक्स्त मिल सके। उनके अधूरे सपने को पूरा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके मिशन को पूरा करने के प्रति हम स्वयं को पुनर्समर्पित करने का शपथ लेते है।तथा जबरिया बेदखली विरोधी सम्मेलन 2 जनवरी को जमानियां रामलीला मैदान में आयोजित कर आन्दोलन तेज किया।

कार्यक्रम को मुराली वनवासी, लालजी बनवासी, विजयी वनवासी ,बुच्चीलाल,बददू वनवासी,राम अवध बिंद, सुकरा देवी, विनोद कुशवाहा,रामनगीना, पासी, महेंद्र राम, जमुना वनवासी, राजनरायन कुशवाहा अमरजीत मौर्य, करन्डा में राजेश वनवासी, सत्येन्द्र कुमार प्रजापति, संजय भारती मंजू गोंड सदानंद पटेल, रविन्द्र नाथ, गाजीपुर योगेन्द्र भारती, सुरेश चौहान एकराम रामदेव, प्रमोद कुशवाहा, तारा देवी, शकुन्तला सैदपुर में नंदकिशोर बिंद, आजाद यादव, डाक्टर रणबीर सिंह, सरोज यादव, रामकरन, मुराही , कन्हैया, सुमित्रा देवी, शिवकुमार कुशवाहा, सम्बोधित किया।

सदर तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने फरियादियों की सुनी फरियाद

प्रखर गोरखपुर। सदर तहसील सभागार में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर नेहा बंधु की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ समाधान दिवस में आए हुए समस्त फरियादियों की समस्याएं से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने रूबरू होते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आज सदर तहसील सभागार में सदर तहसील अंतर्गत आए हुए समस्त फरियादियों की समस्याओं का निदान किया गया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर नेहा बंधु ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील समाधान दिवस में आए हुए समस्त फरियादियों की समस्याओं का गुणवत्ता युक्त बिना किसी भेदभाव के समुव्द तरीके से निस्तारण किया जाए फरियादी को बार-बार तहसील का चक्कर ना लगना पढ़े और उनकी समस्याओं का गुणवत्ता युक्त निस्तारण हो सके किसी फरियादी को अगर कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बार-बार परेशान करने की कोशिश करता है उसकी शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी इसलिए संबंधित अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए आए फरियादियों की समस्याओं का निदान गुणवत्ता युक्त तरीके से करें सभागार में अधिकतर जमीनी तथा पारिवारिक विवाद के मामले आए हुए थे जिनका गुड दोष के आधार पर निस्तारण किया गया जिन समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया उन मामलों में संबंधित अधिकारियों के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजकर निस्तारित करने के लिए कहा गया अगले समाधान दिवस तक उनके समस्याओं का निदान हो जाना चाहिए जिससे अगले समाधान दिवस पर किसी फरियादी को भागदौड़ ना करना पड़े संपूर्ण समाधान दिवस में आज प्रमुख रूप से क्षेत्राधिकारी कैंट योगेंद्र सिंह सदर तहसीलदार विकास सिंह नायब तहसीलदार वशिष्ठ वर्मा नायब तहसीलदार विकास कुमार नायब तहसीलदार प्रमोद श्रीवास्तव नायब तहसीलदार देवेंद्र यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से हो रही है ग्रामीण परेशान, जिम्मेदार कौन

प्रखर गाजीपुर। भांवरकोल ब्लाक अंतर्गत आमघाट कठार ग्राम पंचायत शमें जलभराव होने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। इस तरह पानी निकासी न होने से आए दिन जब भी वर्षा होती है, गली में जलभराव हो जाता है। वहां के ग्रामीणों के द्वारा ग्राम प्रधान को इसकी शिकायत तो बार-बार दी जाती है, लेकिन अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण गलीवासियों के लिए यह परेशानी बढ़ गई है। राजू यादव का कहना है कि उन्हें यह समस्या कि जब भी वर्षा होती है, वर्षा का पानी पूरे गली में जमा हो जाता है। कहीं से पानी निकलने का रास्ता नहीं है। इसकी शिकायत विकास खण्ड को भी कई बार दी जा चुकी है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं जाने के चलते उन्हें यह परेशानी सहन करनी पड़ रही है। मुख्य मार्ग का निर्माण होने के बाद गली नीचे चली गई है, जिस कारण गली का पानी बाहर न निकल कर गली में ही जमा हो जाता है। जिससे गली वासियों को घर से निकलना दुश्वार हो गया है। घर से बाहर काम करने के लिए महिलाओं एवं स्कूल जाने वाले छात्रों को निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समस्या को स्थायी समाधान तभी हो सकता है जब गली को मुख्य मार्ग के समानांतर या रोड के नीचे से पाइप डलवाया जाए। गली वासियों को इस कारण काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्राम प्रधान आनंद सिंह यादव को इसकी शिकायत देने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहां के ग्रामीणों ने जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। ताकि उन्हें इस परेशानियों से निजात मिल सके।इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान कठार आनंद सिंह यादव से संपर्क करना चाहा तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

अज्ञात शव का शिनाख्त, घटना में शामिल अभियुक्तगण गिरफ्तार

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र में मिली अज्ञात लाश का शिनाख्त करते हुए हत्या करने वाले हत्यारों को सहजनवा पुलिस ने गिरफ्तार किया पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि खोराबार थाना क्षेत्र निवासी मुन्ना का अपने ही गांव की एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसकी शादी पीपीगंज थाना क्षेत्र में हो गई थी लेकिन उसका आना-जाना लगा हुआ था क्योंकि लड़की का पति बाहर रहता था मुन्ना लड़की के घर रिश्ते का भाई बताकर लड़की के घर आया जाया करता था कुछ दिन पहले लड़की का पति अपने घर पर ही आकर रहने लगा लड़की के पति को कुछ सक हुआ तो पति पत्नी में अक्सर विवाद होने लगा पति ने पत्नी के साथ मिलकर योजना बनाई लड़की ने अपने ससुराल में मुन्ना को बुलाकर पहले मुन्ना को शराब पिलाया। उसके बाद सर पर डंडे परहार कर घायल कर दिया 24 घंटे तक मुन्ना को अपने घरों में मारा समझ कर रखा रहा अगले दिन सहजनवा थाना क्षेत्र के बक्सा मटीयारी के पास बोरे में भर कर फेक दिया भैस चराने वाले चरवाह भैस चराते समय लाश को देख कर पुलिस को सूचना दिया घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी तथा फॉरेंसिक टीम पहुंचकर साक्ष इकट्ठा कर शिनाख्त के लिए भेज दिया फोटो के आधार पर मुन्ना के रूप में शिनाख्त करने में सफल रही परिवार जनों ने प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा पंजीकृत कराया जिसके आधार पर अभियुक्त व उसकी पत्नी सीता शर्मा पत्नी राहुल शर्मा निवासी बेलघाट बुजुर्ग थाना पीपीगंज जनपद गोरखपुर राहुल शर्मा पुत्र मणिलाल शर्मा निवासी बेलघाट बुजुर्ग थाना पीपीगंज जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया। एसएसपी ने बताया कि 14/12/2022 को जरिये 112 कन्ट्रोल रुम सूचना मिली कि एक व्यक्ति का शव बोरे मे लपेट कर सहजनवा थाना क्षेत्र मे माडर रेगुलेटर के पास बंधे के किनारे फेका हुआ है उक्त सूचना पर मौके पर पुलिस पहुच कर फारेन्सिक टीम से जांच कराकर शव को कब्जे मे लिया गया तथा शव की शिनाख्त हेतु आस पास के गांव व थानो मे पतारसी सुरागरसी की गयी जिसके क्रम मे जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुयी कि ग्राम बेलघाट बुजुर्ग थाना पीपीगंज मे राहुल शर्मा के घर पर उक्त युवक अक्सर देखा जाता था जो खोराबार थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर टीकर का रहने वाला है स्थानीय पुलिस की सहायता से परिजन से सम्पर्क करने पर युवक की शिनाख्त मुन्ना पुत्र राजेन्द्र उम्र करीब 28 के रुप मे हुयी पतारसी सुरागरसी से पता चला कि मुन्ना का सम्बन्ध गांव की ही युवती से था जिसकी शादी थानाक्षेत्र पीपीगंज मे हुयी थी तथा पतारसी सुरागरसी व मुखबिरान की सूचना से राहुल शर्मा के घर दिनांक 12 /12/22 को मृतक मुन्ना के आने की जानकारी प्राप्त हुई तथा अभियुक्त राहुल शर्मा व उसकी पत्नी सीता शर्मा को पुलिस हिरासत मे लेकर पूछताछ करने से ज्ञात हुआ कि मृतक का सम्बन्ध राहुल शर्मा की पत्नी से था तथा राहुल शर्मा स्वयं बाहर रहकर कारपेन्टर का काम करता था लेकिन जब राहुल शर्मा दिवाली मे घर आया तो अपनी पत्नी व मुन्ना के बीच की नजदीकी देखकर उसे शक हुआ और अपनी पत्नी को मुन्ना से सम्बन्ध रखने पर मना किया लेकिन मुन्ना द्वारा अभी भी सम्बन्ध रखने पर राहुल व उसकी पत्नी द्वारा योजना बना कर दिनाक 12/12/22 की रात मे मुन्ना को घर थानाक्षेत्र पीपीगंज बुला कर काफी शराब पिलायी गयी व मौका देखकर सर मे डण्डे से प्रहार कर उसकी हत्या कर दी गयी तथा पूरी रात व पूरा दिन शव को घर मे ही छिपा कर रखा गया तथा 13 की रात को सुनसान रास्ते का लाभ उठा कर मोटर साइकिल पर शव को बोरे मे बांधकर अपनी पत्नी के साथ लाकर शव को करीब 6 से 7 किमी की दूरी तय करके माडर रेगुलेटर के पास बन्धे के किनारे थानाक्षेत्र सहजनवा मे फेंक दिया गया।

अजब खेल की गजब कहानी सरकारी राशन के बोरी में मिले पत्थर

प्रखर खानपुर गाजीपुर। क्षेत्र के अमेहता गाँव में संचालित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान में आये ग्रामीणों में वितरण हेतु सरकारी राशन के गेहूं के बोरी में गेहूं के साथ बड़े-बड़े पत्थर भी आ गये।मामला तो तब तूल पकड़ा जब ग्रामीणों में वितरण के लिए कोटेदार संतोष जयसवाल द्वारा जैसे हीं बोरी खोली गयीं तो उसमे गेहूं के साथ-साथ बड़े-बड़े पत्थर मिले।जिसे देख ग्रामीण अचंभित हों गए और तरह-तरह की बाते करने लगें।ग्रामीणों का कहना है की राशन बोरी में भरते समय बोरी का वजन बढ़ाने के लिए पत्थर भरकर वितरण हेतु भेजवा दिया गया।वही जब इस बारे में सम्बंधित विभाग के अधिकारीयों सें बात की गयीं तो उन्होंने बताया की इस प्रकार की एक और शिकायत आई है जिसको लेकर विभाग द्वारा एफसीआई कों पत्र भेजा गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अमेहता गाँव में वर्षो सें संचालित हों रही सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर जैसे हीं सरकारी राशन वितरण के लिए आया की उसे लेंने के लिए स्थानीय ग्रामीण पहुँच गये। वही जैसे हीं गाँव निवासी कोटेदार संतोष जयसवाल द्वारा उसे शनिवार को वितरण का कार्य शुरू किया गया। जैसे हीं कोटेदार संतोष जयसवाल ने गेहूं की बोरी

खोली की उसे देख सब हलकान हों गये।गेहूं के बोरी में गेहूं के साथ पत्थर भी भरे हुये थे। जिसे देख ग्रामीण हलकान हों गये। ग्रामीणों ने बोरी में गेहूं के साथ पत्थर देख वीडियो बनाना शुरू कर दिया, और अधिकारीयों पर अनाज में जानबूझकर पत्थर मिलाने की बात करने लगें जिससे अनाज कम रहें और बोरी का वजन बराबर उतना हीं रहें। वही इस सम्बन्ध में जब डिएससो गाजीपुर सें बात की गयीं तो उन्होंने बताया की इस प्रकार का एक मामला और पता चला है।जिसकों सज्ञान में लेकर एफसीआई कों पत्र लिखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

भदवां के रामा शंकर चौबे (रामा चौबे) का निधन

प्रखर दानगंज वाराणसी। दुखद समाचार ग्राम सभा भदवां के रामा शंकर चौबे भूतपूर्व जिला पंचायत सदस्य रहे और श्री हनुमत इंटरमीडिएट कालेज के पूर्व प्रबंधक भी रहे 27 साल ग्राम प्रधान रहे रमाशंकर चौबे जिनका उम्र 90 साल शनिवार रात 9:00 खाना खाने के बाद बैठे और अचानक गिर पड़े घरवालों ने उनको एक निजी अस्पताल में लेकर गए जहां डॉक्टर ने उनको मृतक घोषित कर दिया डॉक्टर का कहना था कि इन को हार्ट अटैक आया था रामा शंकर चौबे पिछले कुछ दिन से बीमार भी चल रहे थे निधन होने की सूचना पर गांव के लोग और गांव के अगल-बगल के लोगो को सूचना मिलते ही लोग उनके घर पर अंतिम दर्शन करने के लिए पहुंच गए।

80 वृद्धजनों को गर्म कपड़ों का हुआ वितरण

प्रखर वाराणसी। ईजी हेल्प संस्था द्वारा सारनाथ स्थित वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) तथा हाफ वे होम में लगभग अस्सी वृद्धजनों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। यह वृद्धाश्रम सरकार एवं जनसामान्य तथा समाजसेवियों के समर्पण एवम अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के संकल्प का ही प्रतिफल है। इस अवसर पर मुख्य रूप से ईजी हेल्प संस्था के प्रबंध निदेशक श्री विवेक सिंह, ईजी हेल्प संस्था की ट्रस्टी श्रीमती मंजू सिंह तथा कोमल सिंह, वृद्धाश्रम के संचालक श्री धीरेन्द्र राय, प्रबंधक श्री ओमप्रकाश, डॉ० सुजीत कुमार चौबे, श्री विकास जायसवाल वाइब ऑन व्हील्स रेस्टोरेंट के संचालक श्री उदय राव, सुश्री माहिका, जनरल मैनेजर एवम एचआरझ प्रिज्म सीमेंट श्री संजय कांबेकर, श्री राजेश गुप्ता सहित वृद्धाश्रम के अधिकारियों एवम कर्मचारियों सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरकारी बिल्डिंग बनाने वाली फर्म पर बिजली चोरी का मुकदमा

प्रखर मीरजापुर। जिले में खाद्य एवम औषधि प्रयोगशाला का निर्माण परसिया में किया जा रहा है। कार्यदाई संस्था द्वारा अस्थाई विद्युत संयोजन लेने की बजाय अवैध रूप से केबल जोड़कर विद्युत उपयोग किया जा रहा था।शनिवार शाम उपखण्ड अधिकारी विंध्याचल प्रताप कुमार के औचक निरीक्षण में छह किलोवॉट की विद्युत चोरी पाई गई। कार्यदाई संस्था के ऊपर छह किलोवॉट विद्युत चोरी का मामला दर्ज कराया जा रहा है।बताते चलें कि गोरखपुर की फर्म द्वारा बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। इस कारवाई से अवैध उपभोगकताओं में हड़कंप मच गया है। टीम में अवर अभियंता रमन चतुर्वेदी, कार्यालय सहायक अभिषेक सिंह व लाइनमैन छविनाथ उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया माँ फाउंडेशन का उद्घाटन

प्रखर दिल्ली। दिल्ली मयूर विहार स्तिथ होटल हॉलिडे इन में माँ फाउंडेशन का उद्घाटन हुआ जिसमें फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती रिचा वशिष्ठ जो कि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य भी हैं, उन्होंने बताया कि माँ फाउंडेशन उन माताओं के लिए बना है जिन माताओं ने अपने बच्चों को पाल पोस कर बड़ा किया और वृद्धावस्था में बच्चे अपने माँ बाप की सेवा करने में असमर्थ हो जाते हैं इसलिए फाउंडेशन उन माताओं और बहनों के लिए काम करेगा जिनके पास रहने को घर नहीं है और उनके पालन पोषण का विशेष तौर पर ध्यान दिया जाए। माँ फाउंडेशन इस मुहिम को एक अभियान के रुप मे चलाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता एवं राज्यमंत्री भारत सरकार श्री रामदास अठावले केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री भारत सरकार श्री सुभाष सरकार, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री राम नरेश पासवान, हरियाणा बाल विकास परिषद की महासचिव श्रीमती रंजीता मेहता, भाजपा नेता विनय चौधरी, माँ फाउंडेशन के मीडिया सलाहकार पुनीत गोस्वामी, सत्यम सुदर्शन महाराज जी, कार्यक्रम में सहयोगी जितेन्द्र चावला, माँ फाउंडेशन के सलाहकार विवेक अग्रवाल, समाजसेवी गौरव गुप्ता, प्रसिद्ध पत्रकार प्रशांत शर्मा, श्रीमती कीर्ति एवं और और भी गड़मान्य लोग उपस्तिथ रहे।

यूनाइटेड मीडिया पत्रकार एसोसिएशन गाजीपुर की बैठक संपन्न, 35 सदस्यीय टीम का हुआ गठन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। यूनाइटेड मीडिया पत्रकार एसोसिएशन गाजीपुर जिला कार्यकारिणी की एक आवश्यक बैठक वरिष्ठ पत्रकार सैयद अहमद अली उर्फ तारीक की अध्यक्षता में संगठन के जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से 35 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। तथा यह भी निर्णय लिया गया औपचारिक घोषणा अगली तिथि को किया जाएगा। पत्रकारों की समस्याओं को दूर करने और उनके मान सम्मान को बनाये रखने के लिए एकजुटता बहुत ही आवश्यक है। उक्त अवसर पर उपेंद्र यादव, इन्द्रजीत सिंह, दूधनाथ सिंह, घनश्याम सिंह, बिलाल अहमद, उपेंद्र कुमार, विजय शाह, आशीष गुप्ता, श्याम भवन चौहान, आशीष कुमार उर्फ क्रांति, आनंद कुमार, गुलाम अली खान, हैदर अली, जय प्रकाश चंद्र, राजेश यादव, अरविंद चौहान, अविनाश यादव, जफर इकबाल, अर्जुन कुमार और अवशेश कुमार आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केन्द्र में 12 परिवारिक विवाद हुए प्रस्तुत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केन्द्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में कुल 12 परिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए। इसमें संजना पत्नी पिंकू चौहान नि0 दयालपुर थाना गम्भीरपुर जिला आजमगढ की शिकायत थी कि उसके पति एवं सास हमेशा दहेज के लिए ताना मारते रहते है इस पर पति एवं सास को समझाकर विदाई करवायी गयी उर्मिला राजभर पत्नी श्यामसुन्दर निवासी कैथ वलिया थाना कोतवाली सैदपुर गाजीपुर कि शिकायती थी कि उसके पति पडोसन की सुनकर उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते है इस पर पति को समझाकर विदाई करवाई गयी अपसाना खातून पत्नि गुलाम नबी नि0 युसुफाबाद थाना चिरियाकोट जनपद मऊ कि शिकायत थी कि उसके दो पुत्र एवं एक पुत्री पैदा होने के बाद अब उनके ससुराल वाले उसे शरिरीक व मानसिक रूप से प्राताडित करते रहते है इस पर पति को समझाकर विदाई कराई गयी प्रियंका भारती पत्नि हरे राम नि0 कुसुमपुर थाना दिलदारनगर गाजीपुर कि शिकायत थी कि उसके पति को यह शंका है कि प्रियंका का सम्बन्ध उसके जीजा से है इस कारण से पति हमेशा उसके साथ मार पीट करते रहते है इस पर पति को समझाकर विदाई कराई गयी 02 परिवारिक विवाद कुशलता के बाद बन्द कर दिये गये एक परिवारिक विवाद में फुला देवी अपने पति के साथ रहने के लिये तैयार नही हुई।

टुनटुन राय को टिकट दिलाने की मांग को लेकर सदर विधायक से मिले

प्रखर सांथा संतकबीर नगर। विकास खण्ड बेलहर से दो ग्राम पंचायत को काटकर नवसृजित नगर पंचायत बेलहर कला में इस समय निकाय चुनाव को लेकर चुनाव लड़ने वालों की होड़ मची हुई है। जहां अलग अलग पार्टी से अलग अलग प्रत्याशी टिकट लेने के लिए कतार में खड़े है। नगर पंचायत बेलहर कला के ग्रामीणों ने शनिवार को सदर विधायक अंकुर राज तिवारी से मुलाकात कि और भाजपा से टुनटुन राय को प्रत्याशी बनाये जाने की माग कि। ग्रामीणों ने कहा कि भाजपा को इस बारे में सोचना चाहिए कि एक दशक से सबसे बड़ा योगदान बेलहर कला में टुनटुन राय का ही रहा है,शुरू से ही एक पार्टी के लिए समर्पित रहे, और बेलहर में हर किसी के सुख दुःख में शमिल होकर हर किसी का मदद करते है।

24 घण्टे के अन्दर पत्नी की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या करने वाला अभियुक्त (पति) गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थाना लालगंज पर दिनांक 17.12.2022 को वादी केशरी पुत्र स्व0केवला प्रसाद निवासी निबावल थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा लिखित तहरीर दी गई कि वादी का छोटा भाई भरतलाल दवा इलाज कराने हेतु मीरजापुर जाने की बात से आक्रोशित होकर अपनी पत्नी रेखा देवी पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर मृत्यु कारित कर दिया। जिसके सम्बन्ध में थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-350/2022 धारा 302 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा उक्त हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक लालगंज को त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम

में प्रभारी निरीक्षक लालगंज ज्ञानू प्रिया मय पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 24 घण्टे के अंदर अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या करने वाले अभियुक्त भरतलाल(पति) पुत्र केवला प्रसाद निवासी निबावल थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को थाना लालगंज क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद कुल्हाड़ी खूना लूद बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा जा रहा है।

ग्राम बाराड़ीह कुदारन में नाली निर्माण अतिक्रमण को हटाने के निर्देश

प्रखर मिरजापुर। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वी एस ने आज तहसील दिवस चुनार के पश्चात विकास खण्ड नरायनपुर में बाराडीह में नहर से लेकर घाटमपुर तक 4 किमी0 नाली की खुदाई कार्य का निरीक्षण किया गया इसमें ग्राम कुदारन सरहद से समर सिंह के खेत तक कच्ची नाली खुदाई की कुल लम्बाई 600 मीटर है जबकि वर्तमान में लगभग 450 मीटर कार्य कराते हुए रू0 0.90 लाख का भुगतान किया गया है। निरीक्षण में पाया गया कि नाली की पूरी लम्बाई के बीच में मिट्टी का घर बना पाया गया एवं मौके पर उपस्थित एन0एच0ए0आई0 के श्री सतेन्द्र पाण्डेय द्वारा बताया गया कि इस मार्ग की चैड़ाई में यह घर आ रहा है परन्तु हटाया नहीं गया है। मौके पर उपस्थित तहसीलदार चुनार को निर्देशित किया गया कि राजस्व कर्मियों एवं पुलिस के साथ स्थल की नापी कराते हुए जितनी भूमि एन0एच0ए0आई की है, उसे चिन्हित कराते हुए एन0एच0ए0आई0 को हस्तगत कराना सुनिश्चित करें। एन0एच0ए0आई0 के श्री सतेन्द्र पाण्डेय को निर्देशित किया गया कि नापी के पश्चात नोटिस देकर अतिक्रमण को हटवायें, जिससे मार्ग की सुगमता के साथ ही नाली का निर्माण भी पूरा कराया जा सके। सचिव-ग्राम पंचायत को निर्देशित किया गया कि जहॉ भी नाली के कार्य में अवरोध उत्पन्न हो रहा है, राजस्व कर्मी से सहयोग प्राप्त कर निर्माण कार्य को पूरा करायें तथा नाली के सम्पूर्ण लम्बाई में जो भी झाण-झंकार है, उसे तत्काल साफ करायें, जिससे नाली साफ दिखाई दें। सहायक अभियन्ता-सिंचाई को निर्देशित किया गया कि टूटे हुए फाल का मरम्मत दो दिन के अन्दर कराते हुए अवगत करायें। निरीक्षण के समय तहसीलदार-चुनार श्रीमती नुपुर सिंह, खण्ड विकास अधिकारी नरायनपुर श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, सचिव-ग्रा0पं0 कुदारन श्री सुरेन्द्र कुमार, एन0एच0ए0आई0 के श्री सत्येन्द्र पाण्डेय, सहायक अभियन्ता-सिंचाई, ग्राम प्रधान, स्थानीय किसान व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

2 तमंचा, 2 कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल संग 2 धराए

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों व अवैध शस्त्र के विरुद्ध चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल प्रर्यवेक्षण मे दिनांक 18दिसम्बर 22 को प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह मय हमराह उप निरीक्षक अमित कुमार पाण्डेय, उप निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल रमेश तिवारी, कांस्टेबल शिवशंकर यादव, कांस्टेबल विजय यादव, कांस्टेबल नीतेन्द्र कुमार द्वारा बुद्धा हास्टल से लार्ड कार्नवालिस रोड थाना कोतवाली गाजीपुर के पास से अभियुक्त गण संदीप यादव पुत्र दिनेश यादव निवासी बसनियाँ थाना भाँवरकोल जिला गाजीपुर,विवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुन्ना राय निवासी गरूआ मकसूदपुर थाना सुहवल जिला गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त गण के कब्जे से अवैध 02 अदद तमंचा .315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस .315 व जनपद मऊ से चोरी की गयी एक मोटर साइकिल बरामद हुयी।

बिजली के लटकते तार, बन सकते हैं दुर्घटना का कारण

प्रखर मुहम्मदाबाद यूसुफपुर (गाजीपुर)। स्थानीय विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही किसी दिन दुर्घटना का कारण बन सकती है। जिससे अनगिनत नागरिक दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। बताया जाता है कि नगर क्षेत्र में 25 वार्ड हैं। सभी 25 वार्डों में विद्युत

विभाग के विद्युत खंभे जड़ से ही बेकार हो गए हैं, जो कभी भी गिर सकते हैं। दूसरी मुख्य बात यह है कि प्रत्येक वार्ड के अतिरिक्त नगर के सदर रोड पर राजकीय बालिका विद्यालय के मार्ग पर जर्जर तार इतने नीचे लटक गए हैं कि कभी भी किसी भी व्यक्ति द्वारा उसे छुआ जा सकता है। कोई बड़ी वाहन उस सड़क से गुजरेगी तो निश्चित तौर पर दुर्घटना होना संभव है ।विद्युत विभाग के कर्मचारी की हालत यह है कि उनको नागरिकों द्वारा यह सूचना देने पर की इस वार्ड की विद्युत आपूर्ति ठप है ,तो पहले वे वार्ड के नागरिकों पर प्रति परिवार 10 से 100 रु. तक की वसूली करवाते हैं। इसके बाद रकम प्राप्ति होने के बाद ही विद्युत आपूर्ति आरंभ होती है। नागरिकों इसका दंश झेल रहे हैं। पत्र प्रतिनिधि ने कई बार इस संदर्भ में विभागीय अधिकारी एस डी ओ सत्यम त्रिपाठी को फोन किया। उनका फोन बंद आ रहा था ।जिस मार्ग पर विद्युत के तार लटके हुए हैं ,उस रास्ते से हजारों छात्र -छात्रा अध्ययन के लिए जाते हैं। राजकीय बालिका विद्यालय , अष्ट शहीद इंटर कॉलेज, प्राइमरी पाठशाला तथा राजकीय शहीद स्मारक महाविद्यालय इसी मार्ग पर है। इस संबंध में पत्र प्रतिनिधि ने उप जिला अधिकारी हर्षिता तिवारी से बात की तो उन्होंने तत्काल इस पर कार्रवाई करने के लिए आश्वासन दिया ।किंतु अभी तक इस ओर कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

साइबर फ्रॉड करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का तीसरा सदस्य गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा को दिनांकः02.11.2022 को जनसुनवाई के दौरान एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ। जिसमें आवेदिका शिप्रा सिंह पुत्री अरूण कुमार सिंह निवासिनी सद्दूपुर नगर थाना चुनार जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात के विरूद्ध वादिनी के यूनियन बैंक व इण्डियन बैंक के दो खातों से ऑनलाइन धोखाधड़ी व जालसाजी कर निकाली गयी धनराशि के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए प्रभारी निरीक्षक चुनार को यथाशीघ्र अभियोग पंजीकृत कर इलेक्ट्रानिक साक्ष्य संकलन के आधार पर घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के क्रम में थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर मु0अ0सं0-329/2022 धारा 419,420 भादवि व 66डी आईटी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । पुलिस अधीक्षक ह्यसंतोष कुमार मिश्राह्व के निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी चुनार मंजरी राव के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक चुनार त्रिवेणीलाल सेन मय पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त की विवेचना व इलेक्ट्रानिक साक्ष्य संकलन के क्रम में पूर्व में 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है तथा घटना में संलिप्त अन्य सह अभियुक्तों की गिरफ्तारी का लगातार प्रयास किया जा रहा था कि इसी क्रम में दिनांकः17.12.2022 को थाना चुनार, साइबर व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर के थाना कटरा क्षेत्र से घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आयें अभियुक्त किशन कुमार उर्फ किशन ठाकुर पुत्र रामनाथ ठाकुर निवासी 1/25 प्रताप गार्डेन बिन्दापुर उत्तम नगर नई दिल्ली को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त किशन कुमार उपरोक्त के कब्जे से साइबर अपराध की घटना में प्रयुक्त 13 अदद विभिन्न बैंको का डेबिट व क्रेडिट कार्ड , 02 अदद मोबाइल बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर पंजीकृत उक्त अभियोग में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि इनका एक संगठित गैंग है जिसके कुछ सदस्य लोगो को गुमराह कर बैंक खाता खोलवाते है जिसमें अपने गैंग के सदस्यों का मोबाइल नम्बर रजिस्टर्ड कराकर बैंक खाते को स्वयं प्रयोग करते है और उन खातों में गैंग के अन्य सदस्य लोगो से ऑनलाइन ठगी कर पैसा जमा करवाते है । जिन पैसो को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसपर करते हुए ऑनलाइन शॉपिंग कम्पनियों से घरेलू उपयोगी सामान मंगाकर पहले से गैंग से सम्बन्धित दुकानदार के पास बेचकर कैश के रूप में अथवा अपने व्यक्तिगत खातों में पैसा मंगाकर फ्राड से अर्जित धनराशि को आपस में बांट लेते है ।

ऐश्वर्या गुप्ता ने बढ़ाया जिले का सम्मान, बीएचयू में पाया प्रथम स्थान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर नगर के मोहल्ला नवाबगंज फाटक की कुमारी ऐश्वर्या गुप्ता पुत्री संतोष गुप्ता ने हेरिटेज मैनेजमेंट में बीएचयू से प्रथम स्थान प्राप्त कर बीएचयू मेडल हासिल कर गाजीपुर का गौरव बढ़ाया है, यह सम्मान बीएचयू के 102वे दीक्षांत समारोह में 10 दिसम्बर को दिया गया। इस जानकारी के साथ ही उनके प्रिय जन एवं शिक्षक गण एवं रिश्तेदारों में खुशी की लहर फैल गई एवं बधाईयों का तांता लग गया। ऐश्वर्या वर्तमान में बीएचयू की भारतीय प्राचीन इतिहास एमए की छात्रा है । इनकी माता सुनंदा वर्तमान में शाह फैज पब्लिक स्कूल में सेवारत हैं एवं उनके पिता संतोष गुप्ता एक व्यवसायिक हैं '। ऐश्वर्या की प्रारंभिक शिक्षा शाह फैज पब्लिक स्कूल मियां पुरा गाजीपुर में हुई एवं यहीं पर उनके बड़े भाई अमन कुमार गुप्ता ने प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की जो वर्तमान में बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में सेवारत हैं ।

दीपिका खास करना चाहती थी वैभवी मर्चेंट

पठान के पहले गाने बेशरम रंग ने तहलका मचा दिया। गाने में दीपिका पादुकोण के जबरदस्त हॉट परफॉर्मेंस और गाने की हॉट कोरियोग्राफी की भी तारीफें कर रहे हैं। बंटी और बबली के कजरारे में ऐश्वर्या राय बच्चन, धूम 3 के कमली में कैटरीना कैफ से लेकर अब बेशरम रंग में दीपिका पादुकोण तक लीडिंग एक्ट्रेसेज के हॉट वर्जन को प्रस्तुत करने के लिए जानी जाने वाली कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट काफी उत्साहित हैं।

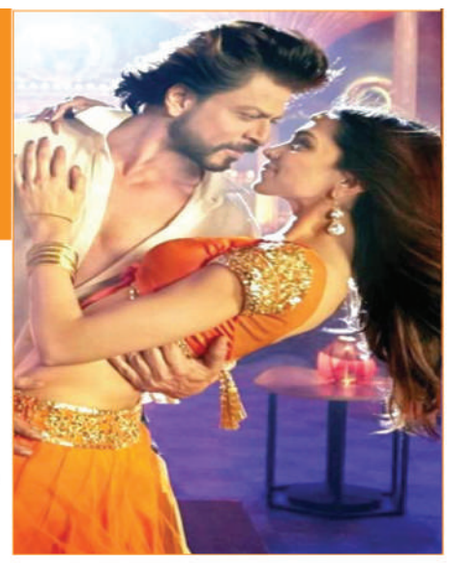

वे कहती हैं कि अपने काम के दौरान मैंने पूरी सतर्कता के साथ यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि प्रमुख भूमिका निभा रही महिलाओं को हमेशा काफी सौंदर्यपूर्ण तरीके से पेश किया जाए। उदाहरण के लिए, कजरारे में ऐश (ऐश्वर्या राय बच्चन) की बात करें तो जिस तरह से उन्होंने अपनी अदाकारी की, उसी के मुताबिक मैंने एक्सप्रेशंस को बढ़ाने का प्रयास किया। इसी तरह कमली में कैटरीना के साथ मैंने इस बात को ध्यान में रखा कि क्या करते हुए वे बेहतरीन लगेंगी।

वे कहती हैं कि आप जिस एक्टर को कोरियोग्राफ कर रही है, हमेशा उसपर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि आपको या आपकी टीम को उसका कौन सा मूव अच्छा लग रहा है, यह मायने नहीं रखता। महत्वपूर्ण यह है कि एक्टर पर वह मूव शानदार लगनी चाहिए। वैभवी कहती हैं, यह आश्चर्यजनक ही है कि, बेशरम रंग से पहले मैंने कभी भी दीपिका के लिए कुछ कोरियोग्राफ नहीं किया था। यह दीपिका के साथ मेरा पहला गाना है, मुझे पता था कि इसके लिए मुझे कुछ खास करना होगा। उनका मेरे पास आना और यह कहना कि आखिरकार हमें एक-दूसरे के साथ काम करने का मौका मिल ही गया। मैंने कहा, दीपिका मैं वास्तव में इसे आपके लिए बहुत खास बनाना चाहती हूं, क्योंकि यह हमारी पहली फिल्म है और मैं भविष्य में आपके लिए इससे बेहतर गाने शूटिंग नहीं करना चाहती। वैभवी का कहना है कि उन्होंने दीपिका को पर्दे पर भारत की अब तक की सबसे हॉट अभिनेत्री दिखाने की पूरी कोशिश की है। कहती हैं कि मैं उन्हें इस तरह पेश करना चाहती थी, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं पेश किया गया। इसमें शालीना नथानी के कॉस्ट्यूम्स का भी अहम योगदान है। दीपिका का उनके साथ बहुत अच्छा तालमेल है और उन्हें खुद में इतना सहज देखकर मुझे सुखद आश्चर्य हुआ।

वैभवी कहती है कि बेशरम रंग में दीपिका जैसी दिख रही हैं, उसके लिए उन्होंने उतनी ही मेहनत की है। उनके पास डायटीशियन और फिजिकल ट्रेनर की टीम के साथ ही बेहतरीन कॉस्ट्यूम थी। मुझे लगता है कि इस गाने को उसी शैली में शूट किया जाना चाहिए, जो इसके लिए सही है। क्योंकि मैं कुछ इस तरह थी, जो उन्हें इन कॉस्ट्यूम्स को पहनने या फिर आम तौर पर जिस तरह गाने शूट किए जाते हैं, वैसे स्टेप्स लेने के लिए नहीं कर सकती थी।

इस गाने में दीपिका, शाहरुख खान के साथ है। दीपिका बिकनी में अपनी हॉट बॉडी दिखा रहे हैं और दोनों काफी हॉट और फिट दिख रहे हैं। बेशरम रंग की शूटिंग स्पेन के सबसे खूबसूरत तटीय शहरों मल्लोर्का, कैंडिज और जेरेज में हुई थी। एसआरके और दीपिका भारतीय सिनेमा के इतिहास की बड़ी ऑनस्क्रीन जोड़ियों में से हैं, जिन्होंने ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैप्पी न्यू ईयर जैसे ब्लॉकबस्टर दिए है। ■

बॉलीवुड

रणबीर कपूर है ईशान के प्रेरणास्रोत

ईशान खट्टर ने जुनून और रुचि के बारे में बात की। इन्होंने हाल ही में फीफा विश्व कप में देखा गया। ईशान ने कहा,

यह मेरा पसंदीदा टीम खेल है, यह खेल मुझे अलग जुनून पर लेकर जाता है। खेलना हमेशा सुखद होता है। लिएंडर और धोनी अविश्वसनीय खिलाड़ी होने के नाते अपने अनुभव और कौशल को खेल में लाते हैं लेकिन रणबीर कपूर ने मुझे फुटबॉल खेलने के लिए आमंत्रित किया, यही कारण है कि मैंने उनके साथ खेलना शुरू किया, इसलिए विशेष उल्लेख करना चाहिए।

दमदार गैंग लीडर में पृथ्वीराज सुकुमारन

शाजी कैलास द्वारा निर्देशित पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर 'कापा' क्रूर गैंग वॉस की कहानी है। पृथ्वीराज स्पेसिफिक, डाइनैमिक पर्सनैलिटी के रूप में है। सुकुमारन के अलावा, कापा में आसिफ अली, अपर्णा बालामुरली, जगदीश, अन्ना बेन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। पृथ्वीराज सुकुमारन के पास सालार फिल्म है जिसमें प्रभास भी हैं और इसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया है। इसके अलावा पृथ्वीराज बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे और जिसमें वह मोहनलाल के साथ काम करेंगे।

पत्रलेखा बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स

2022 में पत्रलेखा कुल 4 प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में व्यस्त रही। पत्रलेखा डिज्नी प्लस हॉटस्टार के लिए थ्रिलर 'आर या पार', अमेजन प्राइम की 'गुलकंद टेल्स' और लव रंजन की अनटाइटल्ड ड्रामा तथा मानवी गगरू के साथ एक अन्य अनटाइटल्ड के साथ, चार यूनिक किरदारों में नजर आएंगी। पत्रलेखा कहती हैं, 2022 वास्तव में संतुष्टि भरा साल रहा। मैंने चार अलग-अलग किरदारों को निभाने का पूरा आनंद लिया है। यह शानदार अनुभव था और मैं सच में बहुत रोमांचित हूं।

'ताजा खबर' में जादू और करिश्मे

हॉटस्टार स्पेशल्स की एक्शन ड्रामा सीरीज 'ताजा खबर' इमोशंस, कॉमेडी, रोमांस, एक्शन और ड्रामा है। इसे हुसैन एवं अब्बास दलाल ने लिखा है। 6 जनवरी 2023 को यह सीरीज रिलीज की जाएगी। जिसमें श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, जेडी चक्रवर्ती, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब और नित्या माथुर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। इसमें भुवन बाम वसंत गावड़े नाम के चिड़िचड़े सफाई कर्मी के रोल में नजर आएंगे, जो कुछ बड़ा करना की हसरत रखते हैं और उनके साथ करिश्मा होता है। भुवन बाम ने कहा, मुझे सभी से, खासतौर पर अपने को-स्टार्स से जो प्यार मिला, वो कल्पना से परे है। सभी अपने-अपने काम में माहिर हैं लेकिन मैंने जो रिश्ते बनाए हैं, उसके के लिए मैं सभी का शुक्रगुजार हूं।

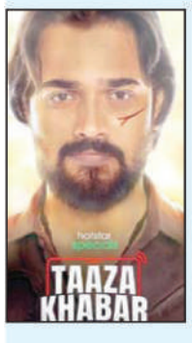

सेक्स वर्कर की भूमिका में श्रिया

'गिल्टी माइंड्स' और 'द ब्रोकन न्यूज' में शानदार किरदारों के साथ एक लाजवाब साल बिताने के बाद, श्रिया पिलगांवकर डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली सीरीज 'ताजा खबर' में कभी न देखे गए लुक और कैरेक्टर में नजर आएंगी, क्योंकि वह 'मधु' नाम की सेक्स वर्कर की भूमिका में दिखेंगी। फिलहाल मिर्जापुर की 'स्वीटी', गिल्टी माइंड्स की 'कशफ' और 'द ब्रोकन न्यूज' की 'राधा' जैसे उनके कैरेक्टर्स हैं।

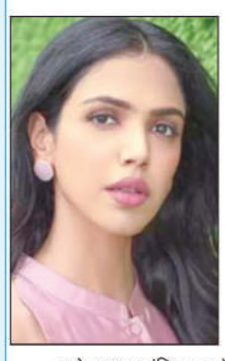

श्रिया कहती है, मैं बेहद रोमांचित हूं, जहां मुझे एक पूरी तरह से अलग लुक दिखाने का मौका मिला है, जो मैंने पहले नहीं किया था और कैरेक्टर बिल्डिंग के मामले में भी, यह मेरे लिए नया अनुभव था, जो वाकई में बहुत मजेदार था। चूंकि इस कॉमेडी-ड्रामा जॉनर में सेक्स वर्कर के रूप में उत्साहित हूं। मेरे लुक और परफॉरमेंस के साथ, प्रयोग करना वाकई में मजेदार था। मेरा किरदार मधु, सैसी है, जिसमें इसमें बहुत सारा साहस है। उसे आपके साथ शेयर करने के लिए और अधिक इंतजार नहीं कर सकती।

विशाल राणा हैं उत्साहित

'ब्लर' विशाल राणा के नेतृत्व में क्रिटिक्स मिल हैं। इसके अलावा, विशाल अपने समर्पण का वादा करते हैं। वह कहते है, 'ब्लर' को मिल रही प्रतिक्रियाओं से बेहद उत्साहित हूं। 2022 हाई नोट पर समाप्त हो रहा है। उनकी अगली एक्शन कॉमेडी अनीज बज्मी के साथ है, अगले साल इसकी शूटिंग शुरू होगी। इस बीच, विशाल राणा ग्लोबली अपनी अलग पहचान रखने वाली एक्शन फ्रैंचाइजी 'ट्रांसपोर्टर' का भी नेतृत्व कर रहे हैं।

'बेस्ट ऑफ 2022' प्लेलिस्ट

अमेजन म्यूजिक ने 2022, बेस्ट ऑफ द ईयर, कैम्पेन शुरू किया। बेस्ट ऑफ द ईयर अमेजन म्यूटिजक पर विभिन्न भाषाओं में शीर्ष कलाकारों, गानों, एल्बम और पॉडकास्ट का वार्षिक राउंडअप है। यह सबसे ज्यादा स्ट्रीम किए गए कलाकारों, एलबम और गानों का जश्ना मनाता है। अमेजन म्यूजिक पर हिन्दी, अंग्रेजी और तमिल सबसे ज्यादा स्ट्रीम होने वाली भाषाओं के रूप में उभरी, वहीं हिन्दी का कुल योगदान 36फीसद रहा। केसरिया, 2022 का सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया गया गाना होने के साथ-साथ, साल का सबसे टॉप रोमांटिक गाना रहा है। वहीं, अरिजीत सिंह सबसे ज्यादा स्ट्रीम होने वाले कलाकार के रूप में उभरे। इस साल का सबसे ज्यादा स्ट्रीम हुआ हिन्दी एलबम 'जुगजुग जियो' है।

'आर या पार' की दुनिया

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने अपनी नई हॉटस्टार स्पेशल्स, 'आर या पार' का ट्रेलर लॉन्च किया, जो ऐसे पिछड़े इंसान की कहानी है, जो अपने आदिवासी समुदाय को बचाने और आधुनिक दुनिया में अपना अस्तित्व बनाए रखने की जद्दोजहद कर रहा है। इसको सिद्धार्थ सेन गुप्ता ने क्रिएट किया है। ग्लेन बरेटो, अंकुश मोहला और नील गुहा के निर्देशन में बनी यह सीरीज 30 दिसंबर को रिलीज की जा रही है। इसमें आदित्य रावल, पत्रलेखा, सुमीत व्यास, आशीष विद्यार्थी, दिब्येंदु भट्टाचार्य, आसिफ शेख, शिल्पा शुक्ला, वरुण भगत, नकुल सहदेव हैं। आदित्य ने कहा, सरजू अपने लोगों की रक्षा करना चाहता है और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए वो हर हद पार कर जाएगा।

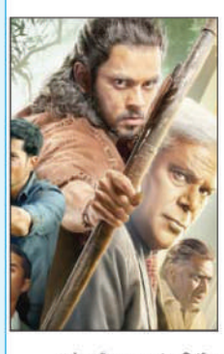

महिलाओं का किरदार पसंद है : भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर कतई नहीं कतराती कि वे किसी भी मर्द के बराबर हैं। फिल्म गोविंदा नाम मेरा में भी वे आत्मविश्वास से भरी महिला की भूमिका में हैं, जो अपनी शर्तो पर जिंदगी जी रही है।

हमेशा से मैं मानती रही हूं कि सशक्त, स्वावलंबी और प्रगतिशील महिलाओं को पर्दे पर दिखाने के लिए सिनेमा जबरदस्त जरिया हो सकता है। सिनेमा में मेरा सफर इसका एक जीता-जागता उदाहरण रहा है क्योंकि मैंने सोच-समझकर ऐसी फिल्में चुनी हैं, जो आज के जमाने की महिला को पेश करती हैं, ऐसी महिला जिसमें दूसरी महिलाएं खुद को देख सकती हैं और उससे जुड़ सकती हैं, भूमि कहती हैं।

उनका कहना है, दम लगा के हईशा, बधाई दो, टॉयलेटः एक प्रेम कथा, लस्ट स्टोरीज, सोनिचड़िया, सांड की आंख, बाला, शुभ मंगल सावधान, डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे और अब गोविंदा नाम मेरा में मैं हमेशा से उन महिलाओं की भूमिका निभाने की इच्छुक रही हूं जिन्होंने अपने सपनों और इच्छाओं से समझौता नहीं किया और पुरुष-प्रधान समाज के खिलाफ खड़ी हुई हैं।

भूमि ने बताया, मुझे ऐसी महिलाओं की भूमिका निभाना पसंद है, जो समाज की मौजूदा परिस्थिति को चुनौती देती हैं और मर्द या औरत के प्रति लोगों का नजरिया बदल देती हैं। मुझे ऐसी महिलाओं का किरदार निभाना पसंद है जो पुरुषों के बराबर होती हैं। मैं चाहूंगी कि यह भारतीय सिनेमा और मेरी फिल्मों के संग्रह में मेरा छोटा सा योगदान हो। मैं चाहती हूं कि अपने काम के जरिए मैं बराबरी की जरूरत के बारे में खुलकर बोलूं।

गोविंदा नाम मेरा में अपने किरदार के बारे में भूमि ने बताया, मैं गौरी वाघमारे से प्यार करती हूं, जो प्रकृति की कभी हार न मानने वाली शक्तिशाली महिला है और किसी भी पुरुष के खिलाफ खड़ी हो सकती है और वो जिंदगी में जो चाहती है, उसके बारे में खुलकर बोल सकती है। उसका किरदार निभाना बेहद खास है।

काम करने के मामले में, भूमि की 12 महीनों में एक के बाद एक 7 फिल्में रिलीज हुई हैं, जिनमें भीड़, अफवाह, द लेडी किलर, भक्षक, मुदस्सर अजीज नेक्स्ट, गोविंदा नाम मेरा और दूसरी घोषित बिना नाम वाली फिल्म शामिल हैं।

टीवी

हर किसी को पसंद है चाय

चाय दुनिया का पॉपुलर पेय है, टीवी के कलाकारों ने चाय से जुड़ी खास यादें ताजा की -

ऐश्वर्या खरे- चाय मेरी दिनचर्या का सबसे पसंदीदा हिस्सा है। सेट पर तो यह मेरे जीने की वजह है। शूटिंग के लिए निकलने से पहले, मुझे अपना दिन शुरू करने के लिए परफेक्ट अदरक वाली चाय की जरूरत होती है। सुबह चाय पीने की यह आदत मेरी मां की वजह से है। मुझे याद है जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां और मैं सुबह साथ चाय पीते थे।

मानव गोहिल- भारत में चाय सिर्फ पेय नहीं है, यह भावना है, और यह हम सभी को बांधती है। मुझे चाय पसंद है। मेरे घर का व्यू बड़ा सुंदर है, इसलिए मैं इसके साथ सुबह अपनी चाय की प्याली का आनंद लेता हूं। मुन्नार में पहाड़ियों पर विशाल क्षेत्र में चाय के बागान फैले हुए है और सर्दियों में वहां जाना तो जैसे सोने पे सुहागा है। मैं जल्द वहां जाना चाहता हूं। मैं उन शानदार लोगों से मिलना चाहता हूं जो वहां काम करते हैं। चाय मेरा हर समय का पसंदीदा पेय है।

सोनिका हांडा - देश में हर कोई चाय प्रेमी है और मैं खुद भी उनमें से हूं। चाय मेरी रूह को सुकून देता है। ये लगभग एनर्जी ड्रिंक है। आमतौर पर हम कई घंटों तक शूटिंग करते हैं। ऐसे में चाय वाकई मुझे तरोताजा रहने में मदद करती है। मुझे हर तरह की चाय पसंद है, लेकिन मसाला चाय मेरी फेवरेट है। चाय के साथ सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन है गरमा गरम पकोड़े।

अपर्णा मिश्रा - चाय सबसे अच्छा और स्वास्थ्यप्रद पेय है, जिसकी दुनिया भर में बहुत मांग है। हर किसी की जिंदगी में इसके कई उपयोग हैं। जब मैं मुंबई आई थी, तब मैंने चाय पीना शुरू किया। जब भी मैं बीमार पड़ती तो मै आमतौर पर चाय पीती थी। मैं अपनी बहन से हल्दी, अदरक, इलायची, काली मिर्च से बनी चाय बनाने को कहती थी। चाय मेरी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। जब भी मुझे समय मिलता है, मैं अपनी टीम के साथ चाय का लुत्फ उठती हूं। चाय पीने के लिए बस मूड बनाना होता है।

मनित जौरा- चाय सिर्फ पेय नहीं है, यह भावना है। चाय ऐसी चीज है, जिसे आप दिन के किसी भी समय और कही भी पी सकते हैं। मुझे चाय की लत है, हालांकि मैं इस पर कंट्रोल रखने की पूरी कोशिश करता हूं। सबसे अच्छी चाय वो है, जिसमें अदरक और काली मिर्च होती है। चाय ऐसा पेय पदार्थ है जिसके साथ समोसा, वड़ा पाव, पकौड़े, बिस्किट सबकुछ खा सकते हैं। मैं दिल्ली का रहने वाला हूं और सर्दी में सुबह की चाय पीना शुद्ध आनंद है, लेकिन मुंबई में, उमस भरे मौसम में भी, मैं इसका मजा लेता हूं। ■

अमर, हर्ष और प्रियंका की तिकड़ी

शेमारू उमंग के शो 'क्योंकि तुम ही हो' में अमर उपाध्याय (करण प्रताप सिंह), हर्ष नागर (आयुष्मान भार्गव) और प्रियंका धवले (काव्या शर्मा) है। काव्या परफेक्ट सपनों के राजकुमार का इंतजार है। अमर कहते हैं, मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। हालांकि मैं नर्वस भी हूं। मैं बहुत पॉजिटिव हूं कि हम दिलों को छूने और कुछ अलग करने में सक्षम होंगे।

कामना ने संदीप से रचाई शादी

कामना पाठक असल जिन्दगी में दुल्हनिया बन गई। कामना पाठक ने कहा, आखिरकार मेरी शादी हो गई और यह ऑफिशियल है। (हंसती हैं)। मेरे करीबी लोग और प्रशंसक हमेशा से इस बात को लेकर उत्सुक रहे हैं कि मेरी जिन्दगी में कौन है और मैं कब शादी करूंगी। मैं संदीप के

साथ निजी समारोह में विवाह बंधन में बंधी। जश्न की शुरूआत सगाई समारोह साखरपुड़ा से हुई थी। विवाह समारोह नागपुर में बिलकुल मराठी स्टाइल में हुआ। मुझे दुल्हन के रूप में देखकर मेरे माता-पिता की आंखों में आंसू थे और मैं भी उतनी ही भावुक थी। अपने पति और ऐक्टर संदीप श्रीधर के बारे में कामना ने कहा, हमारा प्यार थियेटर में और दोस्त होने के नाते कई सालों तक एक-दूसरे को जानने के बाद पनपा। हम दोनों ही अपनी कला से प्यार करते हैं और यह हम दोनों का ही पैशन है इसलिए हम एक-दूसरे के करीब आ गए।

श्वेता तिवारी ने बनाया बैलेंस

जी टीवी 'मैं हूं अपराजिता' लेकर आया, जिसमें अपराजिता (श्वेता तिवारी) का सफर है, जो अकेले अपनी तीनों बेटियों को जिंदगी के उतार-चढ़ाव के लिए तैयार कर रही हैं। श्वेता तिवारी, असल जिंदगी में भी दो बच्चों की मां हैं। उनका 6 साल का बेटा रेयांश और 22 साल की बेटी पलक है। उन्होंने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच परफेक्ट बैलेंस बना लिया है। उनका बेटा सेट पर उनसे मिलने आता है ताकि वो ज्यादा से ज्यादा वक्त साथ बिता सकें। श्वेता तिवारी बताती हैं, जब मेरी बेटी का जन्म हुआ था, उस समय जब भी मैं शूटिंग कर रही होती थी, तो मेरी मां उसका ख्याल रखती थी। फिर जब रेयांश मेरी जिंदगी में आया, तब मैंने 3 साल का ब्रेक लेने का फैसला किया, जब तक कि मुझे यह नहीं लगा कि अब उसे पूरा समय मेरी देखरेख की जरूरत नहीं है।

अदिति ले रही हैं मातृत्व से प्रेरणा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'कथा अनकही', सुपरहिट तुर्की सीरीज '1001 नाइट्स' (बिनिबर गेस) का हिंदी रीमेक है, पछतावे की प्रेम कहानी है। अदिति देव शर्मा असल जिंदगी में भी 3 साल के बेटे की मां है, कथा का रोल निभाने के लिए उन्होंने अपने खुद के मातृत्व भाव से प्रेरणा ली। अदिति देव शर्मा बताती हैं, जब मुझे यह कहानी सुनाई गई तब मुझे अपने दिल की गहराइयों में कथा का दर्द महसूस हुआ। मैं खुद भी मां हूं और मां के लिए उसका बच्चा सबसे अनमोल होता है, वो उसके लिए कुछ भी कर सकती है।

अगले सुखिवंदर हर्ष : रोहित

जी टीवी का सारेगामापा लिटिल चैंप्स के 9वें सीजन में पॉपुलर डायरेक्टर रोहित शेट्टी आए। रोहित शेट्टी हैरान रह गए और रोहित ने बताया, हमारी इंडस्ट्री में ऐसे चंद ही सिंगर्स हैं, जो हमें यह सोचने पर मजबूर कर देते हं कि उन्हें कौन रिप्लेस करेगा। उदाहरण के लिए, सबसे बढ़िया सिंगर हैं सुखिवंदर जी। यदि हम सोचें कि 30-40 साल बाद अगले सुखिवंदर कौन होंगे, तो मेरे ख्याल से यह यकीनन हर्ष सिकंदर ही होने चाहिए।

पंखुड़ी वापस आ गई

सोनी सब के शो 'मैडम सर', कुछ बात है क्योंकि जज्बात है, ने मीरा (पंखुड़ी अवस्थी) की एमपीटी में दोबारा एंट्री हो रही है। पंखुड़ी ने कहा, मेरे लिए मीरा हमेशा बेहद खास किरदार रहेगी, शो में वापसी का मौका मिलना अपने घर लौटने जैसा लग रहा है। एआई और मीरा का एडवांस्ड वर्जन देखेंगे, क्योंकि वह महिला पुलिस थाना में सुपर सोनिक पावर्स के साथ लौटेगी।

मैं अपने आप को देखती हूं : अरुणा ईरानी

सारेगामापा लिटिलचैंप्स के 9वें सीजन में अभिनेत्री अरुणा ईरानी आईं। उन्हें देविका और उनके पैरेंट्स के संघर्ष के बारे में पता चला, तो उन्होंने कहा कि वो देविका में खुद को देखती हैं। इस मौके अरुणा ईरानी ने बताया, मैंने आखिरी एपिसोड देखा है, जहां आपने बताया था कि आपने अपने पापा से पेस्ट्री मांगी थी, लेकिन वो आपको दे ना सके, क्योंकि उन्हें घर का किराया और बाकी के खर्च पूरे करने थे। ऐसा वक्त सबकी जिंदगी में आता है और मेरी जिंदगी में भी आया था। मैं तुममें अपने आप को देखती हूं और क्योंकि आपको पेस्ट्रीज खाने को नहीं मिली थी, इसलिए मैंने सोचा कि आज मैं आपके और सभी बच्चों के लिए पेस्ट्रीज लेकर आऊं।

स्टीरियोटाइप्स से बचते हैं राहिल

स्टार भारत शो 'आशाओं का सवेरा... धीरे धीरे से' में राहिल आजम और रीना कपूर, अमन वर्मा और राजू खेर है। राहील बताते हैं, मैं बहुत जोश से भरा हुआ व्यक्ति हूं, जिसे प्रयोग करने में मजा आता है। मैं ऐसे किरदार नहीं चुनता, जिसे दोबारा दोहराया जा रहा हो और ख्याल रखता हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया जाए। स्टीरियोटाइप्स में पड़ने से बचने की कोशिश करता हूं। मुझे विभिन्न अभिनय शैलियों को आजमाने में मजा आता है, इसलिए मैं इन खास बातों का ख्याल रखता हूं।

रणवीर सिंह बने रखवाला

सुपरस्टार रणवीर सिंह फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बड़े दिलवाल हैं। अपनी कॉमेडी एंटरटेनर सर्कस का प्रोमोशन करते हुए रणवीर ने छोटे बच्चे को रोते हुए और भीड़ में धकेले जाते हुए देखा। रणवीर ने बच्चे को भीड़ से उठाया और सुनिश्चित किया कि वह सुरक्षित रूप से अपने सुरक्षाकर्मी के पास वापस गया है। रणवीर बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, उन्हें अक्सर कार्यक्रमों में उनके साथ बातचीत करते और मस्ती करते देखा जाता है।

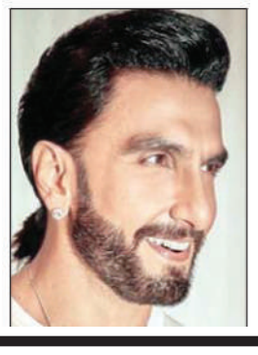

रणवीर सिंह ने की सिंगिंग

जी टीवी अपने सारेगामापा लिटिल चैप्स के 9वें सीजन में बॉलीवुड सितारे रणवीर सिंह, पूजा हेगड़े और वरुण शर्मा पॉपुलर डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ आए। रणवीर अपनी रैपिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, वो अपने स्कूल के दिनों में म्यूजिक बैंड का हिस्सा थे। रणवीर सिंह ने बताया कि अब वो सिंगिंग में भी हाथ आजमाने की कोशिश करेंगे। रणवीर ने कहा, आज मुझे इतनी प्रेरणा मिली है कि मैंने अपने सिंगिंग करियर पर काम करने का फैसला कर लिया और मैं किसी दिन खूबसूरत गाना गाना चाहता हूं।

प्रोफेशनल्स के हितों की रक्षा के लिए है खास तरह का बीमा

हर व्यक्ति को किसी न किसी प्रोफेशनल्स यानी पेशेवर की जरूरत पड़ती है। किसी को वकील की तो किसी को डाक्टर अथवा चार्टर्ड अकाउंटेंट की जरूरत पड़ती है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि किसी प्रोफेशनल द्वारा गलती से अपने किसी ग्राहक का डेटा लीक कर दिया गया या ग्राहक के सामने पेशेवर की तरफ से कोई अन्य समस्या पेश आ गई तो ग्राहक द्वारा पेशेवर के खिलाफ नुकसान की भरपाई का दावा कर दिया जाता है। पेशेवर के लिए ऐसे मामलों से निपटने के लिए प्रोफेशनल्स इन्डेमनिटी इंश्योरेंस कवर बेहद जरूरी है

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

एक प्रचलित सामाजिक कथन है 'गिरते हैं शहसवार ही मैदाने-ए-जंग में' अर्थात घोड़े से वही गिरेंगे जो की घुड़सवारी करेंगे। कहने का तात्पर्य यह है कि गलती उसी से होती है जो कुछ कार्य करते हैं। लेकिन आपके द्वारा पेशागत गलती को आपके सामने वाले व्यक्ति लापरवाही का दर्जा भी प्रदान कर सकते हैं, यानि की उसे गलती नहीं मानकर लापरवाही की परिधि में लाकर उसका मुआवजा भरवा सकते हैं। कुछ कुछ परिस्थितियों में यह लाजिमी भी होता है, क्योंकि पेशागत व्यक्ति या उनकी संस्था या उनके कोई कर्मचारी लापरवाही भी करते ही हैं। इसीलिए 'प्रोफेशनल इन्डेमनिटी इन्श्योरेंस अर्थात पेशागत हानि से होने वाले सुरक्षा का बीमा कवर प्रोफेशनल या पेशेवर लोगों के लिए डिजाइन किया गया है।

किसे मिलेगा यह कवर

प्रोफेशनल इन्डेमनिटी इन्श्योरेंस कवर को डाक्टर और मेडिकल प्रेक्टिशनर जैसे फिजिशियन, सर्जन, कार्डियोलाजिस्ट, पैथोलाजिस्ट ले सकते हैं। इसके साथ ही इंजीनियर, आर्किटेक्ट, ठेकेदार और इंटीरियर डिजाइनर भी इस पालिसी को ले सकते हैं। यह कवर हास्पिटल, नर्सिंग होम, वकील, अधिवक्ता, सालिसिटर, चार्टेड एकाउंटेंट, मैनेजमेंट सलाहकार और फाइनेंशियल अकाउंटेंट के काम भी आता है। यह बीमा पेशागत आर्किटेक्ट, डाक्टर, इंजीनियर, चार्टेड एकाउंटेंट, वकील, मेडिकल प्रेक्टिशनर को वैधानिक दावों के निष्पादन में आने वाले खर्चों को कवर प्रदान करता है और व्यवसाय को एक सुरक्षा कवर देता है। भले ही आपकी फर्म के पास वर्षों का अनुभव हो, इस बात की संभावना हमेशा बनी रहती है कि आप या आपकी टीम के किसी सदस्य से गलती हो सकती है। अगर आप ग्राहकों या व्यवसाय से सम्बंधित डेटा को संभालते हैं तो आपको भी प्रोफेशनल इन्डेमनिटी इन्श्योरेंस कवर लेना चाहिए। इसके साथ ही अगर आप कस्टमर की इंटलेक्युअल प्रापर्टी के लिए जिम्मेदार हैं या फिर आप अपने क्लाइंट को सलाह देते है और गाइड करते है तो भी आपको प्रोफेशनल इन्डेमनिटी इन्श्योरेंस की जरूरत पड़ सकती है।

प्रोफेशनल्स के लिए बेहद जरूरी है यह कवर

यह योजना आर्किटेक्ट, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टेड एकाउंटेंट, वकील, मेडिकल प्रेक्टिशनर को तथा उनके व्यापार को वैधानिक दावों से होने वाले आर्थिक नुकसान को सुरक्षा प्रदान करता है। अगर आप कोई प्रोफेशनल या पेशेवर हैं तो आप पर सेवापक्ष में खामियों, गलत सलाह या गलत डिजाइन उपलब्ध कराने का आरोप लग सकता है। ऐसे में आप को आर्थिक नुकसान हो सकता है। एक लीगल केस व्यवसाय जगत में आपकी प्रतिष्ठा को दूरगामी नुकसान करने के लिए काफी है। इसका फायदा उठाकर आपके प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकल सकते हैं। इन सबसे बचने के लिए यह बीमा कवर बेहद जरूरी हो जाता है।

कवर में क्या है शामिल

प्रोफेशनल इन्डेमनिटी इन्श्योरेंस कवर के तहत एक बहुत बड़ी रेंज कवर की जाती है। इसके तहत प्रोफेशनल नेग्लिजेंस, आपकी गलती से ग्राहक के कापीराइट, निजता या गोपनीयता के उल्लंघन, कस्टमर का डेटा नष्ट हो जाने या खो जाने के मामले भी इसके कवर में शामिल किए जाते हैं। साथ ही यह दावा जांच पर होने वाले खर्च, अवमानना और सामान या पैसे के नुकसान को भी कवर करता है। यह बीमा, पेशागत सेवाओं में ग्राहक को सलाहकार की भूमिका में मदद करना, बतौर आर्किटेक्ट या डिजाइनिंग इंजीनियर के तौर पर सेवा प्रदान करने वालों को बीमा का लाभ देता है। साथ ही यदि आप तकनीकी तौर पर साफ्टवेयर प्रदाता है या फिर डाटा हैडलिंग करते है तो उसका भी कवर प्रदान करता है।

किसका कवर नहीं मिलता

इसके बीमा कवर में अपराधिक कृत्य, शराब या ड्रग्स के नशे में किए गए कृत्य, वैधानिक बाध्यताओं के तहत नहीं किए गए कार्य, दण्डात्मक और उदाहरणात्मक कार्यवाही से होने वाले नुकसान तथा रेडियोएक्टिव विकिरणों से होने वाले नुकसान को समाहित नहीं किया जाता है।

कवर का दायरा

इस बीमा कवर का दायरा केवल नागरिक देयता दावों अर्थात सिविल लायबिलिटी क्लेम को ही कवर करता है। क़ानूनी कार्यवाही में होने वाले खर्चे भी इसके दायरे में आते हैं बशर्ते की इसके लिए बीमा कंपनी से पूर्व में ही सलाह-मशवरा कर लिया गया हो। यह बीमा वैसे सभी आर्थिक नुकसान को पूर्ण कवर प्रदान करता है जिसमें प्रोफेशनल द्वारा, उनकी कम्पनी के द्वारा, उनके कर्मचारियों की गलती या लापरवाही के कारण थर्ड पार्टी को होने वाले नुकसान की भरपाई हेतु सक्षम अदालत / प्राधिकार द्वारा नुकसान की भरपाई हेतु आदेशित किया जाता है 7

कैसे होता है दावा निस्तारण

भारत में सिर्फ सिविल लायबिलिटी क्लेम ही स्वीकार किए जाते हैं। जो पालिसीहोल्डर की लापरवाही से किसी दूसरी पार्टी को चोट या मृत्यु का कारण बनता है और किसी थर्ड पार्टी की प्रापर्टी को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे मामलों में लायबिलिटी क्लेम हो सकता है। इसके लिए बीमा कम्पनी को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए। अगर पालिसीहोल्डर को कोई लीगल नोटिस मिलता है, तो उसे तुरंत बीमा कम्पनी को भेजना चाहिए। पालिसीहोल्डर इस बीमा का इस्तेमाल तभी कर सकता है जब घटना पालिसी अवधि के दौरान हुई हो। बीमा कम्पनी, डिफेंस कास्ट सहित अधिकतम धनराशि का भुगतान करेगी। इसको एओए लिमिट (एनी वन एक्सीडेंट लिमिट) कहते हैं। दुर्घटना के लिए दावा धनराशि या किसी इंडेमिनिटी अर्थात हानि से सुरक्षा के भुगतान एओवाई लिमिट (एनी वन ईयर लिमिट) कम हो जाती है। इस तरह के क्लेम पूर्ण हानि से सुरक्षा को कवर करते है, लेकिन यह भुगतान एओवाई लिमिट से ज्यादा नहीं होता है। ■

इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों को मिलते हैं कई फायदे

क्या आप आयकर रिटर्न भरते हैं... अगर भरते हैं तो क्या आपने कभी यह सोचा है कि आयकर रिटर्न भरने से क्या फायदा होता है। अगर नहीं सोचा तो आज हम आपको बताएंगे कि इनकम टैक्स रिटर्न भरने के एक नहीं अनेक फायदे होते हैं। अगर आप इसके फायदे जान लेंगे तो आप भी हमेश अपना आयकर रिटर्न समय पर फाइल करते रहेंगे

नौकरीपेशा लोगों को आसानी

नौकरीपेशा लोगों को बैंक से कर्ज लेने में ज्यादा आसानी होती है। नौकरीपेशा व्यक्ति को अपने नियोक्ता की तरफ से फार्म 16 अथवा सालाना आय प्रमाण पत्र मिलता है। कोई भी व्यक्ति फार्म 16 अथवा सालाना आय प्रमाण पत्र के जरिड बैंक से आसानी के साथ लोन हासिल कर सकता है। काफी लोग ऐसे भी होते हैं जो अनआर्गनाइज सेक्टर में काम करते हैं। ऐसे में अगर यह लोग अपना आईटीआर फाइल कर दें तो आयकर विभाग से उन्हें सालाना आय का प्रमाण पत्र मिल जाएगा।

आयकर कानून के तहत जिन करदाताओं की सकल आमदनी कर छूट की सीमा के पार हो जाती है उन्हें आईटीआर फाइल करना अनिवार्य होता है। काफी लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी आमदनी कर छूट के दायरे में होती है तब भी वे आयकर रिटर्न समय से फाइल करते रहते हैं। यदि आपकी आमदनी टैक्स के दायरे में नहीं आ रही है तो आपके लिए आईटीआर फाइल करना अनिवार्य नहीं है। लेकिन फिर भी अगर आप अपना आयकर रिटर्न फाइल कर देते हैं तो इसके आपको कई तरह के फायदे मिल सकते हैं। दूसरी तरफ आयकर रिटर्न फाइल करने से आपको किसी तरह का नुकसान भी नहीं है। आइए देखते हैं कि आयकर रिटर्न फाइल करने के आपको क्या फायदे मिल सकते हैं।

बैंकों से आसानी से मिलता है लोन

उदारीकरण के बाद से आज तक ज्यादातर लोग टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद खरीदने के लिए बैंक लोन का सहारा लेते हैं। ज्यादातर लोग घर, जमीन, कार, फ्रिज, वाशिंग मशीन, दुपहिया वाहन, एयरकंडीशनर आदि खरीदने के लिए बैंक अथवा किसी निजी वित्तीय संस्थान से लोन लेते हैं। यह बात तो आप जानते ही होंगे कि वित्तीय संस्थाओं से कर्ज उसी व्यक्ति को मिलता है जिससे कर्ज की वापसी की पूरी उम्मीद होती है। अर्थात कर्ज उसी व्यक्ति को मिलता है जो सालाना तौर पर कुछ आय अर्जित करता है। यह बात ठीक भी है क्योंकि ऐसे व्यक्ति को कर्ज देने से बैंक का कर्ज फंस सकता है, जो व्यक्ति सालाना तौर पर कोई आय नहीं अर्जित करता है। चूंकि इनकम टैक्स रिटर्न किसी भी व्यक्ति की सालाना आमदनी का एक ठोस प्रूफ माना जाता है इसलिए बैंक उस व्यक्ति को आसानी के साथ कर्ज मुहैया करा देते हैं जिनका पिछले तीन साल का आईटीआर रिटर्न दस्तावेज अपडेट होता है। यदि आप किसी भी तरह का बैंक कर्ज लेने जा रहे हैं तो आप पिछले तीन साल के आईटीआर रिटर्न की छायाप्रति लेकर ही बैंक जाएं। आप स्वयं देखेंगे कि इन कागजात को देखते ही बैंक कितनी तेजी से आपकी ऋण औपचारिकताएं पूरी करते हैं। कई वित्तीय संस्थाएं आईटीआर भरने वाले व्यक्ति को बैंक गारंटी समेत कई तरह की सुविधाएं आसानी से मुहैया करा देते हैं। आप खुद ही सोचिए कि अगर कोई बड़ा से बड़ा बिजनेसमैन अगर रिटर्न नहीं फाइल करता तो बैंक को कैसे पता चलेगा कि उसकी सालाना आमदनी कितनी है। ऐसे में उस व्यक्ति को कर्ज देने में बैंक आनाकानी कर सकता है।

बीमा कवर व क्लेम

अगर कोई व्यक्ति बड़ी धनराशि का इंश्योरेंस प्लान लेना चाहता है तो बीमा कंपनियां उस व्यक्ति से उसकी सालाना आय का प्रमाण पत्र मांगती हैं। नौकरीपेशा व्यक्ति तो अपने आयकर रिटर्न अथवा सैलरी स्लिप से यह आसानी से साबित कर सकते हैं कि उनकी सालाना आय कितनी है लेकिन कोई बिजनेसमैन इसे आसानी से उस वक्त तक नहीं साबित कर पाता जब तक कि वह आयकर रिटर्न ना दाखिल करता हो। बीमा कंपनियां आयकर रिटर्न से जुड़े दस्तावेजों को आय का सबसे बेहतर प्रमाण मानती हैं।

मान लीजिए सड़क दुर्घटना मे किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। मरने वाले व्यक्ति के परिजन मुआवजे के लिए अदालत की शरण में जाते हैं। ऐसे में अगर मृतक पूर्व में आयकर रिटर्न फाइल करता था तो उसके आईटीआर के कागजातों के आधार पर उसकी सालाना औसत आय की गणना की जाती है। इस गणना में निकाली गई राशि का दस गुना तक मुआवजा मृतक के आश्रितों को मिल सकता है। यानी अगर सालाना औसत आमदनी दस लाख रुपए निकली तो मृतक के आश्रितों को एक करोड़ रुपए तक का मुआवजा मिल सकता है। लेकिन अगर वह व्यक्ति आयकर रिटर्न नहीं फाइल करता था तो अदालत भी एक लंपसंप अमाउंट मुआवजे में देने के आदेश देकर मामले का निस्तारण कर देती है।

टेंडर और वीजा में आईटीआर की जरूरत

अगर कोई व्यक्ति किसी सरकारी अथवा निजी संस्थान से किसी कार्य का टेंडर हासिल करना चाहता है तो उसे अपने आयकर रिटर्न दाखिल करने का प्रमाण पत्र देना होगा। अगर वह व्यक्ति यह प्रमाण पत्र नहीं दे पाता तो टेंडर में बाधा पैदा हो सकती है और यह टेंडर किसी अन्य व्यक्ति अथवा संस्था को दिया जा सकता है। इसके अलावा विदेश यात्रा की प्लानिंग करने वाले व्यक्ति से उस देश का दूतावास आयकर रिटर्न दाखिल करने का प्रूफ मांग सकता है जिस देश की यात्रा करने की योजना वह व्यक्ति बना रहा है। अगर कोई व्यक्ति नकदी अथवा बैंक के जरिए मुद्रा का लेनदेन करता है तो भी आईटीआर उसके लिए किसी भी मुश्किल स्थिति में मददगार साबित हो सकता है। संपत्ति खरीदने अथवा निवेश करने पर भी आयकर रिटर्न दाखिल करने का प्रूफ मांगा जा सकता है।

(बिजनेस डेस्क)

सिप के जरिए सोने में निवेश

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

छोटी-छोटी रकम को जोड़कर लंबी अवधि में एक बड़ा कोष बनाने के लिहाज से म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्ट प्लान एक अच्छा विकल्प माना जाता है। अगर कोई व्यक्ति म्यूचुअल फंड में न्यूनतम 500 रुपए या इससे ज्यादा की धनराशि हर माह जमा करता है तो वह 15, 20 या 25 साल में एक बड़ा कोष तैयार कर सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि म्यूचुअल फंड की एसआईपी की तरह ही सोना यानी गोल्ड में भी एसआईपी के जरिए निवेश किया जा सकता है। अगर नहीं जानते तो आज हम आपको इस बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि सोने में निवेश के और कौन-कौन से विकल्प हो सकते हैं जिनके जरिए आप मोटा मुनाफा कमा सकें।

सोने में निवेश

जब शेयर बाजार में भारी उठापटक का दौर शुरू होता है तो निवेशक अपने पैसा शेयर बाजार से निकालकर सोने में लगाना शुरू कर देते हैं। ऐसा वे इसलिए करते हैं ताकि उनका निवेश सुरक्षित रहे। वैसे तो भारत में सोने की खरीद ज्यादातर भौतिक रूप में होती है। यानी लोग आभूषण विक्रेता की दुकान पर जाकर आभूषण, सिक्के, बिस्कुट अथवा गोल्ड बार की शक्ल में सोना खरीदने को प्राथमिकता देते हैं। इसके अलावा सोने में निवेश के अन्य तरीकों में गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन गोल्ड बांड और डिजिटल गोल्ड शामिल हैं। निवेश के इन विकल्पों में मौजूदा समय में गोल्ड ईटीएफ यानी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक अच्छा विकल्प माना जा रहा है।

यूं तो सोने में निवेश के कई विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं लेकिन अगर आप छोटी-छोटी रकम के जरिए थोड़ा-थोड़ा सोना खरीदना चाहते हैं तो आपको गोल्ड ईटीएफ में सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए निवेश करना चाहिए। ऐसा करने से लंबी अवधि में आप एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं

सिप के जरिए खरीदें सोना

सोने में निवेश का सबसे बेहतर विकल्प गोल्ड ईटीएफ है। इस विकल्प के तहत सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी सिप के जरिए भी सोने की खरीदारी का जा सकती है। जिस तरह म्यूचुअल फंड में सिप के जरिए न्यूनतम 500 रुपए का निवेश किया जा सकता है ठीक उसी तरह गोल्ड सिप में भी न्यूनतम 500 रुपए का सोना खरीदा जा सकता है। हालांकि गोल्ड ईटीएफ में सिप के जरिए सोना खरीदने के लिए किसी तरह के डीमैट अकाउंट की जरूरत भी नहीं होती। इसमें ज्यादातर कंपनियां गोल्ड फंड आफ फंड्स जारी करती हैं जिसके तहत आपका निवेश सोने के कारोबार से जुड़ी कंपनियों लगाया जाता है। गोल्ड ईटीएफ खरीदते वक्त चूंकि मंथली सिप सीधे आपके बैंक खाते से काटी जाती है इसलिए अपने बैंक खाते को म्यूचुअल फंड कंपनी के खाते से लिंक कराना होता है और मासिक तौर पर एक तय रकम बैंक खाते से स्वतः गोल्ड ईटीएफ बेचने वाली कंपनी के खाते में ट्रांसफर हो जाती है।

गोल्ड सिप में कितना फायदा

सिप के जरिए सोना खरीदने में भी काफी फायदा हो सकता है। चूंकि सिप लंबी अवधि के लिए ही होती है इसलिए गोल्ड सिप भी लंबी अवधि के लिए ही होगी, तभी आपको इसका बढ़िया रिटर्न मिलेगा। इसके लिए कम से कम 10 साल, 15 साल, 20 साल, 25 साल अथवा 30 साल के लिए निवेश करें तो बेहतर है। क्योंकि निवेश जितना ज्यादा समय के लिए होगा निवेशक को फायदा भी उतना ही ज्यादा होगा। उदाहरण के तौर पर अगर किसी ने वर्ष 1992 में सिप के जरिए सोना खरीदना शुरू किया। उस समय 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 4300 रुपए प्रति दस ग्राम के आसपास थी। 30 साल बाद यानी वर्ष 2022 में सोने की कीमत लगभग 53000 रुपए प्रति दस ग्राम है। इस हिसाब से सोने ने जबरदस्त मुनाफा दिया। मान लीजिए अगर किसी ने भौतिक रूप से ही 100 ग्राम सोना 4300 रुपए प्रति दस ग्राम के हिसाब से खरीदा है तो उसके कुल 43000 रुपए निवेश हुए। अब अगर वर्ष 2022 में 53000 रुपए प्रति दस ग्राम के हिसाब से यही सोना बेचा जाएगा तो निवेशक को लगभग 5.30 लाख रुपए मिलेंगे।

सॉवरेन गोल्ड बांड में निवेश करें

सरकार समय-समय पर सॉवरेन गोल्ड बांड भी जारी करती है। इसके जरिए भी आप सोने में निवेश का ख्वाब पूरा कर सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बांड में इश्यू प्राइस पर हर साल कुछ ब्याज भी निवेशक को मिल जाता है और यह धनराशि हर छमाही निवेशक के बैंक अकाउंट में पहुंच जाती है। हालांकि इस तरह का फायदा भौतिक रूप से सोना खरीदने पर या गोल्ड ईटीएफ के जरिए इसमें निवेश करने पर नहीं मिलता। सॉवरेन गोल्ड बांड जिस समय जारी किए जाते हैं उस वक्त बाजार में सोने की जो कीमत होती है उससे कुछ कम दाम में सोने की खरीद का विकल्प भी सरकार निवेशकों को देती है।

एटीएम से भी निकलेगा सोना

हाल ही में सोने के कारोबार से जुड़ी एक कंपनी ने हैदराबाद में गोल्ड एटीएम स्थापित किया है। इस एटीएम के जरिए कोई भी व्यक्ति जब चाहे सोने की खरीदारी कर सकता है। इसके लिए इस एटीएम पर डेबिट अथवा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है। एटीएम पर 10 ग्राम से लेकर सौ ग्राम तक के 24 कैरेट गोल्ड के क्वाइन या सिक्के मिल जाते हैं। अगर आपके पास जब भी पैसे हों गोल्ड एटीएम पर जाएं और कम से कम दस ग्राम का एक सिक्का अवश्य खरीद लें। धीरे-धीरे आपके पास खासी मात्रा में सोना हो जाएगा और दूसरी तरफ इसके दाम भी बढ़ते रहेंगे। इससे आपको इन सिक्कों को बेचने कर खासी रकम मिल सकती है। हालांकि गोल्ड एटीएम का चलन अभी कम है लेकिन उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही यह एटीएम भारत के कई शहरों में लग जाएंगे। दुनिया का पहला गोल्ड एटीएम अबुधाबी में वर्ष 2010 में लगाया गया था तब से आज तक यह एटीएम लोगों में काफी लोकप्रिय बना हुआ है।

लगातार तीसरी बार दृष्टिबाधित टी-20 विश्वकप विजेता बना भारत

फाइनल में बांग्लादेश को 120 रन से हराया

बेंगलुरु। आशाओं और उत्साह से भरी भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने शनिवार को तीसरे दृष्टिबाधित टी-20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 120 रन से हराकर यह खिताब जीतने की हैट्रिक पूरी कर ली।

भारत ने तीसरी बार दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप जीता है, जबकि इससे पहले टीम 2012 और 2017 में भी यह खिताब जीत चुकी है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सुनील रमेश (136 नाबाद) और अजय कुमार रेड्डी (100) के शतकों की बदौलत 277 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में 157 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजे गए सुनील ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरा शतक जड़ते हुए 63 गेंदों पर 24 चौकों और एक छक्के की मदद से 136 रन बनाए, जबकि कप्तान अजय ने 50 गेंदों पर 18 चौकों की बदौलत 100 रन की पारी खेली। जीत के लिए 278 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में 157 रन ही बना सकी। इस तरह उसे इस खिताबी मुकाबले में 120 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत की कसी गेंदबाजी के आगे बांग्लादेश के बल्लेबाज बेबस नजर आए। टीम इंडिया की तरफ से ललित मीना और अजय कुमार ने 1-1 विकेट लिया। भारत ने इस बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्डकप की मेजबानी की थी। अगले विश्वकप साल 2024 में पाकिस्तान में खेला जाएगा।

आज मिलेगा फुटबॉल का वर्ल्ड चैंपियन

अर्जेंटीना की तीसरे तो फ्रांस की लगातार दूसरे खिताब पर नजर

दोहा। पहली बार विश्व कप जीतने का सपना देख रहे लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल में रविवार को गत चैंपियन फ्रांस का सामना करेगी। कतर के लुसैल स्टेडियम पर भारतीय समयानुसार रात 08: 30 बजे से खेला जाएगा। अपना अंतिम विश्वकप खेले अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी खिताब के साथ शानदार विदाई चाहेंगे। फ्रांस और अर्जेंटीना दोनों ही टीमों में दो-दो बार विश्वकप जीता है।

फ्रांस को अपने स्टार फॉरवर्ड प्लेयर किलियन एम्बाप्पे, ओलिविर जिरूड और एंटोनी ग्रीजमैन से काफी उम्मीदें हैं, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से फ्रांस को फाइनल तक पहुंचाया। टूर्नामेंट अब तक फ्रांस की टीम ने 6 मैच में 13 गोल दागे हैं, जिनमें से एम्बाप्पे और जिरूड ने मिलकर नौ गोल किए हैं। ग्रीजमैन ने अब तक कोई गोल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने तीन असिस्ट किए हैं। वह किसी भी समय मैच पलटने की ताकत रखते हैं। वहीं अर्जेंटीना का दारोमदार कप्तान लियोनेल मेसी, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज के कंधो पर होगा। अर्जेंटीना टीम ने टूर्नामेंट में कुल 12 गोल दागे हैं। इसमें मेसी ने 5, अल्वारेज ने 4 और फर्नांडीज ने एक गोल किया है। मेसी ने तीन गोल असिस्ट भी किए हैं। अर्जेंटीना और फ्रांस दोनों ही बराबर की टक्कर वाली टीमें हैं, मगर एक मामले में अर्जेंटीनाई टीम फ्रांस पर भारी पड़ती नजर आ रही है। वह है कि इस विश्वकप में अर्जेंटीना का डिफेंस फ्रांस के मुकाबले थोड़ा मजबूत नजर आता है।

दो-दो बार विश्वकप खिताब जीत चुकी है दोनों टीमें

विश्वकप इतिहास में फ्रांस और अर्जेंटीना ने अब तक दो-दो बार खिताब जीता है। फ्रांस की टीम 1998 और 2018 में विजेता बनी थी जबकि अर्जेंटीना ने 1978 और 1986 खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा अर्जेंटीना तीन बार (1930, 1990, 2014) उपविजेता भी रही है। जबकि फ्रांस 2006 में रनरअप रही थी।

हेड-टू-हेड

कुल मैच	12
अर्जेंटीना जीता	चार
फ्रांस जीता	तीन
ड्रॉ खेले	तीन

शानदार फॉर्म में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी

अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी इस साल क्लब और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में शानदार फॉर्म में रहे हैं। वह अपने प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो से वह इस साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल करने के मामले में काफी आगे हैं। मेसी इस साल 13 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 16 गोल दाग चुके हैं, वहीं रोनाल्डो ने 12 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इस साल तीन गोल किए। मेसी के इस सीजन 2021 के कुछ महीने और इस साल को पूरा मिलाकर मेसी ने 18 गोल दागे हैं, जो कि इस सीजन किसी भी अर्जेंटीना के फुटबॉलर द्वारा सबसे ज्यादा है। इस मामले में दूसरे नंबर पर मौजूद जूलियन अल्वारेज से मेसी 10 गोल आगे हैं। वहीं, एंजेल डी मारिया ने छह गोल और लोटारो मार्टिनेज ने पांच गोल दागे हैं। अर्जेंटीना के सात खिलाड़ियों ने इस सीजन एक-एक गोल दागे हैं, जबकि लोटारो ने पांच और डी मारिया ने छह गोल दागे। यानी कुल मिलाकर नौ खिलाड़ियों ने मिलकर इस सीजन अर्जेंटीना के लिए 18 गोल दागे, जो कि मेसी ने इस सीजन अर्जेंटीना के लिए अकेले किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय मैच में इस साल मेसी का प्रदर्शन

मैच	13
गोल	16
असिस्ट	06

फ्रांस टीम में फैला फ्लू

अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्वकप फाइनल से पहले फ्रांस की टीम में वायरस का प्रकोप जारी है। फॉरवर्ड खिलाड़ी रैंडल कोलो मुआनी ने कहा यह जानकारी दी। टीम के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने पहले खुलासा किया था कि दो खिलाड़ी - डिफेंडर दयोट उपामेकानो और मिडफील्डर एड्रियन रैबियोट को फ्लू जैसे लक्षणों के कारण टीम से अलग होना पड़ा और वह मोरक्को के खिलाफ नहीं खेल पाये। फ्रांस ने इस सेमीफाइनल मैच को 2-0 से जीत लिया था। मुआनी ने कहा,थोड़ा सा फ्लू है जो फैल रहा है लेकिन इसमे घातक कुछ नहीं है। इस पर इस फ्रैंकफर्ट खिलाड़ी को एक संचार प्रवक्ता ने जल्दी से रोक दिया और कहा, रैंडल एक डॉक्टर नहीं है, हम आपको बाद में समझाएंगे। डेसचैम्प्स ने स्वीकार किया है कि उनके खिलाड़ी काम के भारी बोझ और ठंडे मौसम से प्रभावित हो सकते हैं।

मार्सिनियक होंगे फाइनल के रेफरी

पोलैंड के जीमॉन मार्सिनियक को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच रफाइनल का रेफरी चुना गया है। फीफा ने यह जानकारी दी। चार साल पहले रूस में पदार्पण करने वाले मार्सिनियक इस टूर्नामेंट में पहले भी अर्जेंटीना और फ्रांस के मुकाबलों में रेफरी रह चुके हैं। पोलैंड के 41 वर्षीय रेफरी मार्सिनियक ने अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस बनाम डेनमार्क मैच में निर्णायक की भूमिका निभाई थी।

तीसरे स्थान पर रहकर विश्व कप से क्रोएशिया की विदाई

कांस्य पदक मैच में मोरक्को को 2-1 से हराया

अल रैयान। क्रोएशिया ने मिस्लाव ओर्सिच के निर्णायक गोल से शनिवार को फीफा विश्वकप 2022 के कांस्य पदक मैच में मोरक्को को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

उल्लेखनीय है कि मोरक्को फीफा विश्व कप के इतिहास में चौथा स्थान हासिल करने वाली पहली टीम है। खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में जोस्को ग्वार्डिओल ने सातवें मिनट में गोल करके क्रोएशिया का खाता खोला, लेकिन मोरक्को ने नौवें मिनट में अशरफ दारी के गोल से मैच में वापसी कर ली। ओसिंच ने 42वें मिनट में गोल जमाया जो क्रोएशिया की जीत में निर्णायक साबित हुआ। विश्वकप 2018 की उपविजेता क्रोएशिया ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट के इस संस्करण में तीसरा स्थान हासिल कर लिया, जबकि मोरक्को चौथे स्थान पर रहा। क्रोएशिया के लिये मास्क पहनकर खेलने वाले ग्वार्डिओल ने बॉल को नेट में दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। क्रोएशिया की यह खुशी कुछ देर तक ही रही क्योंकि दो मिनट बाद मोरक्को को फ्रीकिक मिली। दारी ने फ्रीकिक पर हकीम जियेश के क्रॉस को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। क्रोएशिया को हाफ टाइम से पहले एक मौका मिला जिसका फायदा उठाते हुए यूरोपीय टीम ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। ओसिंच ने मोरक्को के बॉक्स के मुहाने पर खड़े होकर बॉल को गोल की ओर मारा जो रक्षण को भेदती हुई नेट में पहुंच गयी। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मोरक्को दूसरे हाफ में क्रोएशिया पर कोई दबाव नहीं बना सकी। इंजरी टाइम में जियेश के क्रॉस से मोरक्को अपना दूसरा गोल करने के करीब आयी लेकिन गोल के करीब खड़े यूसुफ एन-नेसरी हेडर मारकर बॉल को नेट में नहीं पहुंचा सके।

क्रोएशिया के लिए फीफा में गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने ग्वार्डिओल

जोस्को ग्वार्डिओल ने क्रोएशिया के लिए विश्वकप में गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनकी उम्र फिलहाल 20 साल और 328 दिन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इविचा ओलिच के नाम था। उन्होंने 2002 में इटली के खिलाफ 22 साल 267 दिन की उम्र में गोल दागा था। ग्वार्दियोल ने इवान पेरिसिच के असिस्ट पर गोल किया। 2014 से लेकर अब तक विश्वकप में पेरिसिच गोल में दूसरा सबसे ज्यादा इन्वोल्वमेंट है। पिछले 11 विश्वकप में तीसरा स्थान किसी यूरोपियन देश ने ही हासिल किया है। 1978 में ब्राजील तीसरे स्थान पर आने वाली आखिरी लैटिन अमेरिकी यानी यूरोप के बाहर की टीम थी। क्रोएशिया को तीसरे नंबर पर रहने के कारण बतौर ईनाम लगभग 223 करोड़ रुपए मिलेंगे।

डिस्ट्रिक्ट कराते कॉम्पिटिशन में आरोही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

भोपाल। शहर की नन्हीं कराते प्लेयर आरोही चौरसिया ने डिस्ट्रिक्ट कराते चैंपियनशिप में तीन गोल्ड जीते हैं। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रही। उन्होंने काता और कुमिते दोनों गोल्ड जीतने के बाद टीम काता में भी गोल्ड पर कब्जा जमाया। यह मेडल उन्होंने 9-10 साल की एज कैटेगरी में जीते हैं। यह कराते की बारीकियां कोच दीपक बिष्ट से सीख रही हैं।

जिरेय दोधी ने जीता गोल्ड, राष्ट्रीय जूनियर घुड़सवारी चैंपियनशिप

भोपाल। राजधानी की बिशनखेड़ी स्थित मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी में राष्ट्रीय जूनियर घुड़सवारी चैंपियनशिप में शनिवार को जूनियर शो जंपिंग नार्मल के व्यक्तिगत फाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें ईसीई के जिरेय दोधी ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। जिरेय ने बेंजिल डी प्रीससे घोड़े पर सवार होकर यह सफलता प्राप्त की है। इस इवेंट में बीएससी आरवीसी के अर्जुन शर्मा ने ट्रेंड सेल्ट्टर पर सवाल होकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान बीएससी आरवीसी के अखिल ने तीसरा स्थान तथा मोदी इक्वेस्टियन के रोनित लाहोटी ने चौथा स्थान प्राप्त किया। मप्र घुड़सवारी अकादमी के मुख्य कोच कैप्टर भागीरथ ने बताया कि इसके टीम इवेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। इसमें मप्र के खिलाड़ियों के भी पदक जीतने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मप्र अकादमी के कुल 17 बालक व बालिका इस प्रतियोगिता में शिरकत कर रहे है। शनिवार को एक ही फाइनल मुकाबला खेला गया है। इसके अलावा आगामी मुकाबले के लिए वजन किया गया है। रविवार को दर्शको को शानदार मुकाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता में 249 घोड़ों के साथ 16 राज्यों के 200 राइडर्स भाग ले रहे हैं।

गार्डनर के दोहरे प्रदर्शन से जीता ऑस्ट्रेलिया

भारत को आठ रन से हराकर सीरीज में अजेय बढ़त बनाई

मुंबई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (46) और ऋचा घोष (39 नाबाद) की विस्फोटक पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को चौथे महिला टी-20 में भारत को आठ रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

ऑस्ट्रेलिया ने एलिसे पेरी (72 नाबाद) के विस्फोटक अर्धशतक की बदौलत भारत के सामने 189 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में भारत 181 रन ही बना सका। पेरी ने 42 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों की बदौलत 72 रन बनाये। इसके अलावा एशले गार्डनर ने 42 रन जबकि ग्रेस हैरिस ने 27 रन का योगदान देकर ऑस्ट्रेलिया को 188 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। भारत के स्मृति मंधाना (16 रन), शेफाली वर्मा (20 रन) और जेमिमाह रोड्रिग्स (आठ रन) के रूप में तीन विकेट 49 रन पर गिरने के बाद हरमनप्रीत (46) ने पारी को संभाला और देविका वैद्या के साथ 72 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत के 15वें ओवर में आउट होने के बाद भारत मुश्किल में आ गया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं ऋचा ने 19 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के लगाकर ताबड़तोड़ 40 रन बनाए लेकिन भारत को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकीं। मैन ऑफ द मैच एशले गार्डनर ने दोहरा प्रदर्शन करते हुए दो विकेट झटके और 42 रन की पारी खेली।

स्पेन को हराकर भारत ने जीता महिला नेशन्स कप

वालेंशिया। भारत ने एफआईएच महिला नेशन्स कप के फाइनल में शनिवार को यहां स्पेन को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहली बार आयोजित टूर्नामेंट को जीतकर टीम ने 2023-24 प्रो लीग में अपनी जगह पक्की कर ली। गुरजीत कौर ने छठे मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जो निर्णायक साबित हुआ। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता ने आठ देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान का अंत लगातार पांच जीत के साथ किया। कोच यानेके शोपमैन की टीम ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में आयरलैंड को शूटआउट में 2-1 से हराया था।

पीकेएल: जयपुर ने दूसरी बार जीता खिताब

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2022 के फाइनल में जयपुर पिंक पैंथर्स ने पुनेरी पलटन को 33-29 के अंतर से हराते हुए दूसरी बार खिताब पर अपना कब्जा जमाया है। पहली बार फाइनल में पहुंची पुनेरी के लिए असलम इनामदार और मोहित गोयत की हिट जोड़ी रेडिंग के लिए मौजूद नहीं थी और इसका उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा। अजीत कुमार ने आते ही जयपुर के लिए मल्टी प्वाइंट रेड किए और मैच में थोड़ी तेजी आई। हाफ टाइम होने तक जयपुर 14-12 से आगे हो चुकी थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही पुनेरी ऑल आउट हुई और जयपुर पांच प्वाइंट से आगे हो गई। पुनेरी ने इसके बाद रेड में फिर से दो प्वाइंट लिए और अंतर को कम करके तीन प्वाइंट का कर दिया था। लगभग 40 सेकेंड का समय बचा होने तक जयपुर तीन प्वाइंट से आगे बनी हुई थी। जयपुर ने अपनी तीन प्वाइंट की इस बढ़त को अच्छे से बचाया और मैच अपने नाम किया।

इंग्लैंड के खिलाफ बाबर और सलमान के अर्धशतक

कराची। इंग्लैंड ने जैक लीच (140/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट के पहले दिन शनिवार को 304 रन पर ऑलआउट कर दिया। दिन का खेल खत्म होने से पहले इंग्लैंड ने एक विकेट के नुकसान पर सात रन बना लिए। पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम (78 रन) और आगा सलमान (56 रन) ने अर्धशतक जमाए बाबर ने अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे अजहर अली (45 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की, जबकि सऊद शकील (23) के साथ 45 रन जोड़े। पाकिस्तान के छह विकेट 219 रन पर गिरने के बाद सलमान ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ साझेदारियां बुनते हुए टीम को 304 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड के लिये जैक लीच ने चार विकेट लिए।

डोभी के श्रुति यादव का अंडर 15 महिला क्रिकेट में हुआ चयन, क्षेत्र में हर्ष का माहौल

निरंतर अभ्यास और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से ही मिलती है सफलता: श्रुति यादव, पैतृक आवास पर बधाई देने वालो का सुबह से लगा रहा तांता

प्रखर चंदवक जौनपुर। "ना कर शिकवा अगर तू अकेला है, गर हौसले बुलंद हैं तो सारा जग तेरा है" को चरितार्थ करते हुए जौनपुर की बेटी श्रुति यादव ने अपने संघर्ष, परिश्रम, लगन, मेहनत और निष्ठा की आधारशिला पर अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है जिसकी उसे वर्षों से तलाश थी।

बता दे कि डोभी विकास खण्ड अंतर्गत इटहरा गांव की बेटी श्रुति यादव का चयन दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ की अंडर-15 महिला क्रिकेट टीम में हो गया है।श्रुति यादव अपने माता-पिता, ताऊ-ताई और अपने अन्य भाई-बहनों के साथ दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रही है । श्रुति यादव के अंडर-15 महिला क्रिकेट टीम में चयन की खबर मिलते ही पैतृक गांव से दिल्ली तक खुशी लहर दौड़ गई। श्रुति यादव के चयन का जश्न केक काटकर मनाया गया। गांव में रहकर पारिवारिक व्यवसाय और विद्यालय का संचालन वाले श्रुति यादव के ताऊ रामजनम यादव और रामनयन यादव ने बताया कि श्रुति के चयन की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार ने इस खुशी का जश्न डोल नगाड़े के साथ केक काटकर मनाया। श्रुति यादव के बड़े ताऊजी शिक्षक और स्वतंत्र पत्रकार डॉ आर सी यादव ने बताया कि श्रुति यादव

का दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ की अंडर-15 महिला क्रिकेट टीम में चयन उसके नियमित अभ्यास और लगन का सुखद परिणाम है। इस सफलता को पाने के लिए श्रुति यादव पिछले एक महीने से 10 से 12 घंटे तक कठिन परिश्रम कर रही थी। दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ द्वारा फिरोजशाह कोटला मैदान, दिल्ली में आयोजित कैंप में श्रुति 24 नवंबर से शामिल हो रही थी साथ ही अपने कोच मदन सर की देखरेख में कठिन अभ्यास कर रही थी, जिसका सुखद परिणाम रहा है कि श्रुति यादव अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित कैंप के प्रथम चरण में कुल 60 बेटियों का चयन हुआ था जिसमें से शीर्ष 15 खिलाड़ियों का चयन होना था। उन्होंने कहा कि श्रुति यादव बक्करवाला, दिल्ली टेलीफनकन क्रिकेट क्लब में कोच मदन सर की देखरेख में पिछले 3 वर्ष से कठिन परिश्रम कर रही थी। जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर शिखर धवन को कोचिंग दी है। उन्होंने बताया कि श्रुति यादव पिछले एक साल से बहादुरगढ़, हरियाणा स्थित त्रिवेणी क्रिकेट अकादमी में खजान सर की देखरेख में भी कठिन परिश्रम कर रही थी। डॉ आर सी यादव ने बताया कि श्रुति यादव के अंडर-15 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने से पूरे परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि इस सफलता के पीछे श्रुति की कड़ी मेहनत और लगन के साथ ही परिवार के सभी सदस्यों का साथ और सहयोग रहा है। विशेष रूप से श्रुति के पिता रामजीत यादव का जिन्होंने ने श्रुति को बेहतर से बेहतर कोचिंग दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। क्रिकेट क्लब में कोचिंग लेने के साथ-साथ पिता रामजीत यादव व्यक्तिगत रूप से अपने दम पर भी बेटी श्रुति को बैटिंग और कैच पकड़ने का नियमित अभ्यास कराते रहे।श्रुति यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच मदन सर माता-पिता, ताऊ-ताई और अपने अन्य भाई-बहनों की उनके प्यार, सहयोग, समर्थन और साथ की सराहना की । श्रुति यादव ने बताया कि उसी इस सफलता के पीछे पूरे परिवार का सम्मिलित प्रयास और मार्गदर्शन रहा।

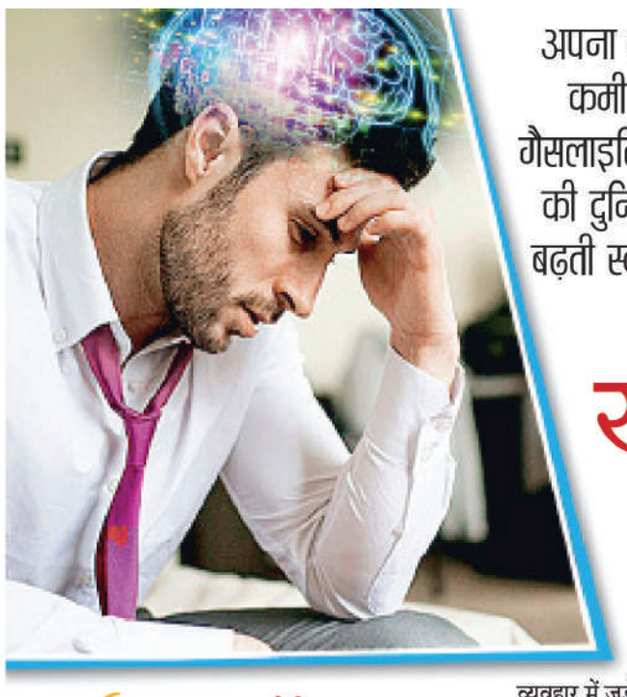

अपना स्वार्थ सिद्ध करने या जान-बूझकर किसी की आलोचना करने, उसकी कमी निकालकर उसे मानसिक रूप से परेशान करने की प्रवृत्ति के लिए गैसलाइटिंग शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। हाल में इस शब्द का अर्थ जानने की दुनिया भर में बढ़ी उत्सुकता, रियल-वर्चुअल वर्ल्ड में लोगों के व्यवहार में बढ़ती स्वार्थपरता को साबित करता है। ऐसे में इस शब्द, इसके अर्थ और इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए सजग रहना जरूरी है।

स्वार्थपरक व्यवहार का जाल

गैसलाइटिंग

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

शब्द और उनका इस्तेमाल इंसानी समझ, सरोकार और संवेदनशीलता का आईना होता है। शब्दों के माध्यम से असल में हमारे विचार ही व्यवहार में उतरते हैं। यही वजह है कि उनका चयन और प्रयोग दोनों ही, मानवीय मन की बदलती सोच भी दर्शाते हैं। इस लिहाज से साल 2022 के लिए 'गैसलाइटिंग' को वर्ड ऑफ द ईयर के रूप में चुना जाना लोगों की सोच को प्रकट करता है। अमेरिका के सबसे पुराने डिक्शनरी पब्लिशर मेरियम-वेबस्टर के मुताबिक बीत रहे बरस में इस शब्द को सबसे ज्यादा बार खोजा गया। इसकी खोज में 1,740 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसे में गैसलाइटिंग शब्द के अर्थ और इसे समझने के लिए सर्च करते लोगों के बढ़ते आंकड़े, दोनों विचारणीय हैं। इस शब्द के मायने की तलाश, मन के मोर्चे पर बढ़ती मुश्किलों और व्यवहार के पहलू पर स्वार्थपरक सोच के विस्तार पाते परिवेश की भी बानगी है।

हाल में बढ़ी लोगों की रुचि

लोगों के विचार-व्यवहार में बढ़ती स्वार्थपरता के फलस्वरूप ही इस शब्द 'गैसलाइटिंग' को जानने-समझने और विश्लेषित करने की जरूरत ने भी विस्तार पाया है। पब्लिशर मेरियम-वेबस्टर के मुताबिक गैसलाइटिंग शब्द का इस्तेमाल पिछले कुछ महीनों में ज्यादा ही बढ़ा है। इस शब्द की खोज भले ही बरसों पहले हो गई थी, लेकिन पिछले चार साल में इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है।

मानसिक शोषण का एक रूप

सामान्य अर्थों में गैसलाइटिंग, किसी इंसान के स्वार्थपरक विचार का ही विस्तार है। अपने फायदे के लिए दूसरे के मन-मस्तिष्क को भ्रम में उलझाना, बहकाना ही गैसलाइटिंग का उद्देश्य होता है। अपने लक्ष्य, जरूरत या लाभ को साधने के लिए किसी परिचित-अपरिचित इंसान के साथ मनोवैज्ञानिक तौर पर यूं खेलना कि वह भ्रमित हो जाए। सामने वाला इंसान ऐसा धोखा खाए कि अपनी ही सोच, क्षमता और योग्यता पर संदेह करने लगे। ऐसे में यह दिल दुखाने वाली बात ही है। इसे भी एक तरह का मानसिक शोषण ही कहा जाएगा। इसीलिए आम व्यवहार में जड़ें जमा रहा वैचारिक दबाव बनाने का यह बर्ताव वाकई चिंतनीय है। खुद की बेहतरी के बजाय दूसरों को कमतर महसूस करवाने की सोची-समझी चालाकी, कभी किसी के मन में आते विकृत भावों की बानगी बनती है तो कभी दूसरों का दिल दुखाने और भरमाने वाले हालातों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति का उदाहरण। दोनों ही स्थितियां मानवीयता के धरातल पर हमें पीछे ले जाने वाली हैं।

हर जगह होता है सामना

घर के भीतर हो या बाहर, गैसलाइटिंग के स्वार्थपरक व्यवहार से हर जगह हमारा सामना होता रहता है। मन-मस्तिष्क के मोर्चे पर खेला जाने वाला यह खेल, घर से लेकर बाहर तक, हर जगह पूरी रणनीति से खेला जाता है। किसी के साथ मनोवैज्ञानिक स्तर पर लंबे समय तक खेलते रहने की यह चालबाजी, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान दोनों में इतनी कमी ले आती है कि इंसान इस खेल को खेल रहे व्यक्ति पर ही निर्भर हो जाता है। आम जीवन के घरेलू रिश्तों-नातों और जान-पहचान वालों में ही नहीं, राजनीतिक और व्यावसायिक स्तर पर ऐसी स्वार्थपरक सोच देखने को मिल जाती है। आज के प्रतियोगी दौर में यह खेल ज्यादा ही देखने में आता है।

वर्चुअल वर्ल्ड में भी हो रहा यूज

वास्तविक दुनिया और रिश्तों में कभी स्नेह भरे शब्द तो कभी मान-मनुहार करते हाव-भाव, कभी संभाल-देखभाल के नाम पर तो चिंता और भय का वास्ता देकर, किसी के साथ छल किए जाने के अनगिनत रास्ते हैं। लेकिन वर्चुअल वर्ल्ड यानी आभासी दुनिया में भी अब यह प्रवृत्ति खूब दिखती है। आभासी संसार में कभी कमी निकालने वाले शब्दों के माध्यम से और कभी आलोचनात्मक टिप्पणियों से, गैसलाइटिंग का काम किया जाता है। यहां मित्र बने परिचित-अपरिचित चेहरे धड़ल्ले से ऐसा कुछ कहते-लिखते रहते हैं, जो मानसिक प्रताड़ना दे सकता है। कुछ लोग बेवजह कभी विचारों में कमी निकालते हैं तो कभी तस्वीरों पर कटाक्ष करते हैं।

ऐसे में बहुत लोग वर्चुअल दुनिया में की जा रही गैसलाइटिंग से भी अवसाद में आ जाते हैं, तनाव और भय से घिर जाते हैं। कई बार वर्चुअल वर्ल्ड जानते हुए भी लोग सोशल मीडिया गैसलाइटिंग की चपेट में आ जाते हैं। वहां रीयल और फेक का अंतर ना समझना भी इस जाल में आपको उलझा देता है। ऐसे में कई बार अनदेखे-अनजाने लोग भी गहरी भावनात्मक चोट पहुंचा देते हैं। यही वजह है कि बीते साल में लोगों की इस शब्द के मायने समझने-जानने में रुचि बढ़ी है। *

गैसलाइटिंग से बचने के तरीके

ऐसे समय में जब गैसलाइटिंग जैसे नेगेटिव व्यवहार की प्रवृत्ति वास्तविक और आभासी दुनिया दोनों में ही बढ़ रही है। इससे बचने की सूझ-बूझ हमें खुद ही रखनी होगी। इसके लिए कुछ बातों को अमल में लाना होगा-

- मानसिक रूप से मजबूत रहें।
- दूसरों की राय या बात से भ्रमित होने के बजाय जागरूक बनें।
- किसी विश्वसनीय व्यक्ति से ही सलाह लें।
- जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें।
- अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।
- व्यावहारिक स्तर पर विवेकशील बनें। *

जिस प्रकार आस-पास के माहौल का असर हमारे मन पर पड़ता है, उसी प्रकार मनोदशा से हमारी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ भी प्रभावित होती है। ऐसे में मन को सकारात्मक बनाकर ना केवल हम अपने परिवेश को सहज बना सकते हैं, घर-वर्कप्लेस के रिश्तों को भी बेहतर बना सकते हैं।

माहौल से जुड़ी मन की दुनिया

{ मेंटल इश्यू / चैतन्या }

हमारा मन परिवेश की स्थितियों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। खासतौर पर आस-पास बना तनाव का घेरा तो देर तक दिलो-दिमाग को प्रभावित करता रहता है। यही वजह है कि घर हो या दफ्तर, वहां के माहौल से हमारे मन की दुनिया भी जुड़ी होती है। ऑफिस का तनाव घर तक आता है। इसी प्रकार घर की उलझनें दफ्तर तक पीछा करती हैं। दोनों ही बातों का सीधा असर रिश्तों और काम-काजी जिम्मेदारियों पर पड़ता है। ऐसे में जितना संभव हो माहौल को सहज और सकारात्मक रखना चाहिए।

प्रोडक्टिविटी पर पड़ता है असर : जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रकाशित ताजा अध्ययन बताता है कि घर में होने वाली आपसी तकरार, ऑफिस में व्यक्ति की ऊर्जा और भावनाओं पर गहरा असर डालती है। घरेलू उलझनों और झगड़ों का वर्कप्लेस पर भी नकारात्मक असर हुए बिना नहीं रहता। वहीं घर का सहज और सकारात्मक परिवेश, ऑफिस में भी हमें तनाव से दूर रखता है। दरअसल, तनाव की वजह से हमारा फोकस भटक जाता है, जिससे किए जा रहे काम या वर्किंग आइडिया पर केंद्रित होकर सोचना मुश्किल हो जाता है। टाइम मैनेजमेंट नहीं हो पाता। इन सभी बातों का हमारी उत्पादकता यानी आउटपुट या वर्क रिजल्ट पर नेगेटिव असर पड़ता है।

तनाव का घेरा घटाएं : उक्त जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन का उद्देश्य ही यही था कि लोग कैसे बुरे अनुभवों या नकारात्मक माहौल का सामना करते हुए भी वर्कप्लेस पर तनाव से दूर रह सकते हैं? इस स्टडी में अधिकतर लोगों ने घर में सकारात्मक-शांत माहौल रखने और दफ्तर में एक-दूसरे की मनःस्थिति समझने को जरूरी और प्रभावी बताया ताकि ऑफिस में थकी मनोदशा या तनाव से घिरे किसी एंप्लॉई के काम को लेकर शिकायतें करने के बजाय, कुलीग्स के द्वारा उसकी परेशानियों को समझा जा सके। यह बर्ताव ना सिर्फ तनाव का घेरा घटाता है बल्कि दफ्तर में मिले सहयोगी परिवेश से घर का वातावरण ठीक करने में भी मदद मिलती है।

बनाएं सकारात्मक माहौल : लंबे समय तक घर और दफ्तर में बना रहने वाला तनाव, सेहत और काम दोनों पर नकारात्मक असर डालता है। इसीलिए प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में एक संतुलन तो जरूरी है ही, उस माहौल में भी बदलाव लाना आवश्यक है, जो स्ट्रेस को बढ़ाता है। दफ्तर में काम-काजी स्तर पर एक-दूसरे के प्रति मदद का व्यवहार और घर में भावनाओं का मान, परिवेश में सकारात्मकता लाने के सबसे कारगर तरीके हैं। सहयोग और स्नेह भरे साथ की इस नींव पर ही दूसरे बदलावों की इमारत खड़ी की जा सकती है। सकारात्मक विचारों की यही सशक्त नींव, हर परिस्थिति में मददगार साबित होगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि सकारात्मक माहौल तभी बनेगा, जब हम खुद इसे बनाने और बनाए रखने की जिम्मेदारी उठाएंगे। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि किसी भी विचार का सृजन पहले हमारे मन में होता है। ऐसे में सकारात्मक माहौल की कल्पना पर भी पूरी शिद्दत से काम किया जाए तो यह मन और जीवन दोनों के लिए बेहतर है। *

{ लघुकथा / कृष्ण मनु }

परिस्थितियां

भयानक शक्ल वाले वे पांच व्यक्ति थे। कमरे में बैठे टीवी पर आ रहे एकता और भाईचारे पर आधारित लघु फिल्म देख रहे थे। स्क्रीन पर नजर टिकाए एक ने कहा, 'वाकई, एकता बड़े काम की चीज है।'

दूसरे ने तिरछी नजर डालते हुए पूछा, 'वो कैसे?'

बाकी तीनों के ललाट पर शिकन आ गई।

पहले ने कहा, 'वो ऐसे कि हम पांच आज इकट्ठे बैठे हैं, जबकि कल तक हम एक-दूसरे के दुश्मन थे। स्मगलिंग, ब्लैक मार्केटिंग, लूट-पाट वाले धंधों में लगे हम पांचों के अड्डे अलग-अलग थे, हमारे गैंग अलग थे। अपने-अपने वर्चस्व के लिए हम एक-दूसरे से झगड़ते भी रहते थे। हम एक-दूसरे का राज भी पुलिस को बता दिया करते थे। नतीजा, पुलिस हमें हमेशा नुकसान पहुंचाती रहती थी। लेकिन उस दिन परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि हमें एक होना पड़ा।' चौथा बीच में बात रोकते हुए बोला, 'तुम ठीक कहते हो। उस रात जब नए पुलिस एसपी ने विशेष अभियान के तहत शहर को घेरकर हम पर चौतरफा घेराव किया था, तब हम आपसी दुश्मनी भूलकर एक हो गए थे। हमारा गैंग एकजुट होकर पुलिस की घेराबंदी तोड़ने में कामयाब हुआ था, हम सही सलामत भागकर अपनी जान बचा पाए थे।'

पहले ने बात की डोर पुनः थामी, 'और तभी से हम साथ-साथ रहकर अपना धंधा चला रहे हैं। पुलिस हमारी ताकत के आगे पानी भर रही है। यह हमारी एकता का ही नतीजा है।'

पांचवें ने पहली बार अपना मुंह खोला, 'लेकिन हम कितने दिनों तक एक साथ रह पाएंगे? रोज हमारे स्वार्थ टकरा रहे हैं।'

उन सब के बीच चुप्पी छा गई।

'जब तक पुलिस से पकड़े जाने का भय बना रहेगा तब तक।' सबको चुप देख एक कोने में खड़ा नौकर धीरे से बोला। *

{ दोहे / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बहुत बुरा है हाल

वक्ताओं का आजकल, बहुत बुरा है हाल।
जिनको कुछ आता नहीं, बजा रहे हैं गाल।।
निर्णायक कौशिक हुए, अद्भुत दिए मिसाल।
जुगनू को रवि की जगह, घोषित किए विशाल।।
निर्बल आगे चल रहे, लेकर आज मशाल।
पैरासाइट हर जगह, ठोक रहे हैं ताल।।
पानी जैसा खून है, उठता नहीं उबाल।
कैसा भी विध्वंस हो, मचता नहीं भूचाल।।
काले धन को जोड़कर, जितने थे कंगाल।
धीरे-धीरे हो गए, सारे माला-माल।।
जिनसे मन में आस थी, बन जाएंगे ढाल।
हमें फंसाने के लिए, वही बुन रहे जाल।।
नीति-न्याय को छोड़िए, करिए अन्य सवाल।
राजा चलता है यहां, ढाई घर की चाल।।
जहां उर्वरा थी वहां, पड़ने लगा अकाल।
आंखों के आगे सदा, मंडराता है काल।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कथा-भाषा की अनोखी बानगी

कहानी में अगर कथानक और प्रभावी कथ्य के साथ भाषा की रवानगी हो, मन में ठहर जाने वाली कहन की बानगी हो, तो वो पढ़ने के बाद भी वर्षों पाठक के मन में कहीं गुंथी रहती है। कथा लेखिका हुस्न तबस्सुम निहां की कहानियां भी इस लिहाज से अलग से पहचानी जा सकती हैं। हाल में छप कर आए कथा-संग्रह 'गुलमोहर गर तुम्हारा नाम होता' की कहानियां भी इस बात की तस्दीक करती हैं कि निहां के पास महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने की सूक्ष्म दृष्टि है तो उसे बयां करने के लिए सटीक शब्द-शिल्प बरतने का सलीका भी है। इसमें संकलित 'अंतिम हस्ताक्षर' कहानी सेवानिवृत्त हो रहे एक अध्यापक की कारुणिक मनोदशा को सामने लाती है तो 'हुए तुम दोस्त जिसके...' कहानी में एक वृद्ध वेश्या की मानसिक स्थिति से उपजी उसकी बेबस हरकत मन को भिगो देती है। *

पुस्तक: गुलमोहर गर तुम्हारा नाम होता (कथा-संग्रह),
लेखिका: हुस्न तबस्सुम निहां,
मूल्य: 495 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

{ कहानी / प्रेमलता यदु }

अमर बेल

अमर को इस बात का आभास नहीं था, जिस मां को वृद्धाश्रम में छोड़ दिया था, उस मां ने उसे किन विषम परिस्थितियों में पाला है। मां के स्वर्गवास के बाद उनकी संदूक से जो कागजात मिले, अमर को अपने बारे में जो पता चला, इसके बाद उसके पास पछताने के अलावा कुछ न बचा। एक अभागी दुखियारी मां और संवेदनहीन बेटे की कहानी।

ऑफिस के लिए तैयार होकर अमर डाइनिंग टेबल पर नाश्ता कर ही रहा था कि उसका मोबाइल बज उठा। फोन पर फ्लैश हो रहे नाम को देख अमर मुंह बनाते हुए बोला, 'हैलो मिसेज जेना, जो भी कहना है, जल्दी कहिए, मुझे दफ्तर निकलना है।'

मिसेज जेना बुझे हुए स्वर में अनुरोध करती हुई बोलीं, 'सर, मैं आप का केवल दो मिनट ही लूंगी। आप तो जानते ही हैं कि आपकी माता जी की तबियत खराब चल रही है, वह कल से बेहोश-सी पड़ी हैं। इस अवस्था में वह केवल आपको ही याद कर रही हैं। यदि आप समय निकाल के आ सकें तो अच्छा होगा, एक दफा उनसे मिल लीजिए। उनकी सांसें शायद आपके लिए ही अटकी हुई हैं।'

मिसेज जेना के ऐसा कहने पर अमर बेपरवाही से बोला, 'आज तो संभव नहीं है मिसेज जेना, फिर भी देखता हूं एक-दो दिन में समय मिला तो आश्रम आ जाऊंगा। अभी फोन रखता हूं, मुझे ऑफिस के लिए देर हो रही है।'

इतना कहकर अमर ने फोन रख दिया। पास ही खड़ी अमर की पत्नी बिंदु तिरछी नजरों से उसे देखती हुई बोली, 'आश्रम से फोन था क्या? क्या कह रही थीं वो मिसेज जेना? हर महीने कुछ ना कुछ बहाने बना कर तुम्हें आश्रम बुलाने की कोशिश करती हैं।'

बिंदु की इस बात पर अमर मुस्कुराते हुए बोला, 'हां...! लेकिन मैं भी जाता कहां हूं, क्योंकि मुझे मालूम है, आश्रम जाने का मतलब है समय और पैसे की बर्बादी और मिसेज जेना से वही बेकार की घिसी-पिटी बातें सुनना, जो मैं पिछले पांच साल से सुनता आ रहा हूं कि आप महीने, दो महीने में अपनी मां से आकर मिल लिया कीजिए। आपकी मां आपसे बहुत प्यार करती हैं। आप उन्हें साथ नहीं रखना चाहते तो मत रखिए, लेकिन उन्हें देख तो जाया कीजिए। आपकी मां के लिए इतना ही बहुत होगा। .. मैं तो मिसेज जेना के प्रवचन सुन-सुनकर पक गया हूं।'

बिंदु से यह सब कह अमर दफ्तर के लिए निकल गया। यह जानते हुए भी कि उसकी मां अर्पिता छह महीनों से बीमार हैं। इन छह महीनों में अमर एक बार भी अपनी मां का हालचाल पूछने वृद्धाश्रम नहीं गया, जहां पिछले पांच सालों से उसकी मां अपने जीवन संध्या के अंत होने का इंतजार कर रही हैं।

अमर जब तीन वर्ष का था, अर्पिता के पति एक रोड एक्सीडेंट का शिकार हो गए। अर्पिता भरी दुनिया में अकेली हो गईं। अमर के सिर से पिता का साया उठ गया। अर्पिता ने अकेले ही बड़ी कठिनाइयों और संघर्षों से अमर को पढ़ाया-लिखाया और इस काबिल बनाया कि आज वह एक अच्छे ओहदे पर है। शानो-शौकत की जिंदगी जी रहा है। अमर को तो यह बात भी पता नहीं होगी कि उसके पिता की मृत्यु के पश्चात अर्पिता को कई लोगों ने दूसरी शादी करने की सलाह दी थी, किंतु अर्पिता ने अमर के उज्ज्वल भविष्य की खातिर अपना, वर्तमान और भविष्य सब कुछ दांव पर लगा दिया।

अर्पिता जिस स्वयं सेवी संस्थान में कार्य करती थीं, वहीं कार्य करते हुए उसने लोगों की सेवा भी की और अमर के सपनों को पंख भी दिए। आज अमर के पास सब कुछ है, गाड़ी, बंगला, नौकर-चाकर। लेकिन ना ही तो अपनी मां के लिए समय है और ना ही अपने बड़े से बंगले में अपनी वृद्ध बीमार मां के लिए एक छोटा-सा कमरा। अमर से दूर वृद्धाश्रम में होने के बावजूद अर्पिता के लबों पर कभी कोई शिकवा या शिकायत नहीं रही। आज भी उसके दिल में अमर के प्रति उतना ही प्यार-स्नेह है, जितना उसके भीतर पहली बार अमर को अपनी गोद में उठाते समय था।

दो दिन बीत चुके थे, परंतु अमर अपनी बीमार मां को देखने के लिए वक्त नहीं निकाल पाया या फिर यूं कहें कि जानबूझ कर वक्त निकाल नहीं पाया। अगली सुबह अभी अमर जागा भी नहीं था कि वृद्धाश्रम से दोबारा मिसेज जेना का फोन घनघनाने लगा, जिसे अमर और बिंदु ने अपनी नींद में खलल समझा। अमर ने बड़ी ही बेरुखी से फोन उठाते हुए कहा, 'हैलो मिसेज जेना, कम से कम चैन से सोने तो दीजिए, आज संडे है। समय मिला तो मैं आज आश्रम आने की कोशिश करूंगा। आप इस तरह बार-बार फोन करके परेशान क्यों करती हैं?'

तभी मिसेज जेना रुआंसे स्वर बोलीं, 'सर, आज आखिरी मर्तबा समय निकाल लीजिए यदि संभव हो तो, क्योंकि आज के बाद मैं फिर कभी दोबारा आपको फोन नहीं करूंगी, क्योंकि मुझे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी। आप सारे बंधनों से मुक्त हो गए हैं। आप चाहें तो अपनी मां को अंतिम विदाई देने आ सकते हैं वरना ये काम भी हम आश्रमवासी कर लेंगे।'

आज पहली बार मिसेज जेना ने अमर का फोन काटने से पूर्व ही फोन काट दिया। मां ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है, यह जानकर अमर की आंखों के सामने कुछ ही क्षणों में बचपन के वो सारे लम्हे चलचित्र की भांति दौड़ गए, जो उसने कभी अपनी मां के संग गुजारे थे। अमर फौरन आश्रम पहुंचा। अपनी मां का अंतिम संस्कार कर जब अमर लौटने लगा, आश्रम की संचालिका और अर्पिता की सहेली सुभद्रा देवी उसे पीछे से आवाज लगा कर रोकती हुई बोलीं, 'अमर जरा ठहरो, ये लो अटैची की चाबी, इसमें अर्पिता का कुछ सामान है। इसे लेते जाओ, कमरा उस ओर है।' कहते हुए सुभद्रा देवी आगे चलने लगीं। अमर उनके पीछे आया। कमरे में आकर जब उसने अटैची खोली तो वह हैरान रह गया, उस अटैची में केवल कुछ कपड़े और दो-चार साड़ियां थीं। एक तस्वीर भी थी, जिसमें अमर अपनी मां की गोद पर बैठा हुआ था। साथ में उसके पिता खड़े थे। इन चीजों के अलावा कुछ ऐसे कागजात अमर के हाथ लगे, जिन्हें देखकर और पढ़कर उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। उन कागजात में इस बात का उल्लेख था कि अर्पिता ने उसे गोद लिया है। अर्पिता ने ना केवल अमर को नाम दिया है बल्कि उसे अच्छा जीवन और परिवार, दोनों ही अर्पिता ने दिया था, उसे तो कोई उस स्वयं सेवी संस्थान के द्वार पर छोड़ गया था, जहां अर्पिता कार्यरत थीं।

अपनी इस बदसूरत सच्चाई से अवगत होते ही अमर की आंखें डबडबा आईं। उसने जब सुभद्रा देवी की ओर देखा तो उन्होंने बस इतना ही कहा, 'यही तुम्हारा सच है, अपने जीते जी अर्पिता कांटों पर चलती रहीं, लेकिन तुम्हारी राहों पर उन्होंने फूल बिखेरे। उन्होंने कभी भी तुम्हें यह मालूम नहीं होने दिया कि तुम एक अनाथ हो और तुम तो उस परजीवी अमरबेल की तरह निकले, जिसने उसी वृक्ष को ही चूस लिया, जिसने उसे जीवन दान दिया।'

यह सब सुनकर अमर के पास पछताने के अलावा कुछ नहीं बचा था, वह फफक-फफक कर रो पड़ा। *

आई.टी.आई. कॉलेज में 57 छात्रों का फर्जी दाखिला व परीक्षा करवाकर किया ठगी

12 लाख से अधिक का धन अर्जित करने वाला शातिर जालसाज गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर।थाना पड़री, पर दिनांकः14.12.2022 को वादी सुधाकर मौर्या पुत्र रमांकान्त मौर्या निवासी शिष्टाखुर्द थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध फर्जी तरीके से आई.टी.आई कालेज में दाखिला व परीक्षा करवाकर शुल्क के रूप में ठगी से धन अर्जित करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में थाना पड़री पर मु0अ0सं0-177/2022 धारा 419,420, 467,468,471,504,506 भादवि बनाम राजकुमार सिंह पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा उपरोक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में टीम गठित कर आईटीआई हेतु फर्जी दाखिला कराकर पैसो की ठगी करने वाले अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिए गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना पड़री पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग की विवेचना एवं साक्ष्य संकलन करते हुए आज दिनांकः 18.12.2022 को उ0नि0 आशुतोष सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना पड़री क्षेत्र से नामजद अभियुक्त राजकुमार सिंह पुत्र स्व0 दशरथ सिंह निवासी ग्राम टेढ़ा पड़री थाना पड़री जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। राजकुमार सिंह पुत्र स्व0 दशरथ सिंह निवासी ग्राम टेढ़ा पड़री थाना पड़री जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 56 वर्ष। गिरफ्तार अभियुक्त राजकुमार सिंह उपरोक्त से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि अभियुक्त राजकुमार सिंह उपरोक्त अजीत कुमार सिंह निजी आई.टी.आई. कालेज में प्रबन्धक के पद पर कार्यरत था परन्तु सन् 2019 में उक्त आई.टी.आई. कालेज से निकाल दिया गया था। जिसको छिपाते हुए उक्त संस्था में 57 छात्रों से सम्पर्क कर फर्जी प्रवेश दिलाया । उसके बाद परीक्षा के लिए छात्रों का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर मा0उच्च न्यायालय इलहाबाद में रिट किया गया । रिट के क्रम में दिनांक 18.03.2022 को संयुक्त निदेशक (प्रशि0/शिक्षु0) विन्ध्यांचल मण्डल की मोहर लगाकर प्रवेश पत्र जारी कर परीक्षा भी करा दिया गया। जबकि अधिकृत संस्था NCBT/SCBC द्वारा पोर्टल पर किसी भी अभ्यर्थी का प्रवेश पत्र जारी नही किया गया था क्योंकि उक्त आई.टी.आई. संस्थान में किसी भी छात्र का नामांकन नही किया गया था। अभियुक्त राजकुमार सिंह उपरोक्त द्वारा कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से 57 छात्रों का संस्था में फर्जी प्रवेश व परीक्षा कराने के नाम पर प्रत्येक छात्र से करीब ? 20-25 हजार शुल्क के रूप में लिया गया था इस प्रकार करीब 12 लाख की धनराशि जालसाजी कर वसूली गयी थी।

लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरित किया गया नियुक्ति पत्र

प्रखर मीरजापुर। मिशन रोजगार अर्नतगत उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा राजकीय इंटर कालेजों में नव चयनित शिक्षकों को माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा चयनित प्रवक्ताओं, सहायक अध्यापकों को मुख्यमंत्री जी द्वारा लोकभवन आडिटोरियम लखनऊ में नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इसी क्रम में जनपद मीरजापुर एनआईसी में माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा 14 नव चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इस मौके पर माननीय नगर विधायक श्री रत्नाकर मिश्र, विधायक मड़िहान श्री रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक मझवां डां विनोद बिंद, माननीय सांसद प्रतिनिधि एवं छानबे विधायक प्रतिनिधि के द्वारा कंचन निषाद, मोहम्मद सरफराज कमर, सुधांशू पांडेय, सुरेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, धीरज कुमार सिंह, अंजली, गायत्री पाल, पुष्पराज मिश्र, शिवनारायण सिंह, संजय कुमार सिंह, दीपिका चैरसिया, कुमार आरती को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

ज्योति स्वयं सहायता समूह को मिला सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। ब्लाक चिर ईगाव के अन्तर्गत रामपुर ग्रामसभा में रिक्त चल रहें कोटे की दुकान का चयन हुआ। ग्राम सभा द्वारा गांव में मुनादी बजवाकर ग्राम पंचायत पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा नामित अधिकारीयों ने खुली बैठक करके कोटे की दुकान आवंटित किया। ग्राम सभा में दुकान लेने के लिए तीन समुह के नाम सामने आते। ज्योति स्वयं सहायता समूह लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह और खुशी स्वयं सहायता समूह के नाम आये। अधिकारी ए डी ओ सांख्यिकी हवलदार यादव ग्राम पंचायत अधिकारी सुनील पाण्डेय पूर्ति निरीक्षक उदय राज के उपस्थिति में वोट की प्रतिक्रिया से चयनित किया गया। जिसमें ज्योति स्वयं सहायता समूह को 126वोट तथा लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह को 111 वोट और खुशी स्वयं सहायता समूह को 45 वोट प्राप्त हुआ। जिसके आधार पर ज्योति स्वयं सहायता समूह को 126 सबसे अधिक वोट मिले के कारण उन्हें चयनित किया गया। मौके पर ग्रामप्रधान मनोज कुमार यादव समेत तमाम ग्राम वासी मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को मानदेय दिया जाय : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 80000 कोटेदारो को मानदेय चाहिए।जैसा कि अन्य प्रदेशों में लागू किया गया है। देश का सबसे बडा राज्य उत्तर प्रदेश है।यहा पर सबसे अधिक संख्या में कोटेदार है। देश में वितरण व्यवस्था तथा और सब चीजों में प्रदेश देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। समय समय पर उत्तर प्रदेश को पुरस्कृत किया गया है। लेकिन दुःख की बात है कि यहां पर कोटेदारों को देने के नाम पर सरकार के पास कुछ नहीं है। सिर्फ कोटेदारों से तमाम काम लिया जाता है।जब सरकार का कोई काम फंसता है तो विभाग द्वारा फरमान आता है। ज़िले में की कोटेदारों को इस काम में लगा दो। कोटेदार ईमानदारी से मेहनत से उसे पुरा करते हैं। लेकिन सरकार यह अभी नहीं सोचती है।कि इतना काम इन लोगों से लिया जाता है। इनके लिए भी कुछ किया जाय।रोज नये नये व्यवस्था नये आदेश जारी किए जाते हैं।इससे सिर्फ परेशानी बढ़ रही है। लेकिन अब यह सहन नहीं किया जायेगा। जनवरी 2023मे हर ब्लाक हर ज़िले मुख्यालय पर मानदेय के लिए प्रदर्शन किया जायेगा। उसकेबाद प्रदेश मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जायेगा। जब तक सरकार मानदेय नहीं तय करती हैं। तब तक धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

घर से निकला युवक लापता, गुमशुदगी दर्ज

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के दानगंज बाजार निवासी युवक तीन दिन पूर्व घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने शनिवार शाम चोलापुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार दानगंज बाजार निवासी अंशु सोनी (18) पुत्र शिवकुमार सेठ बीते 14 दिसंबर शाम पड़ोसी युवक अरमान को अपना मोबाइल दिया तथा उसकी साइकिल मांगकर धरसौना बाजार जाने के लिए कहकर निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। खोजबीन कर थक चुके परिजनों ने शनिवार शाम चोलापुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।" चौकी प्रभारी दानगंज श्री अरुण प्रताप सिंह ने तत्काल त्वरित कार्यवाही करते हुए गुमशुदगी दर्ज करा कर दल बल सहित जांच में तत्परता से जुट गए"।

ग्राम प्रधान राघवेन्द्र जयसवाल के समर्थकों नें रिहाई को लेकर अपनीं दुकानें की बंद, थाना प्रभारी राजेश सिंह को सौंपा ज्ञापन

प्रखर वाराणसी। क्षेत्र के ग्राम सभा चौबेपुर वर्तमान ग्राम प्रधान राघवेन्द्र जयसवाल उर्फ गोलू के समर्थकों नें अपनीं-अपनीं दुकानें बंद कर अपनें प्रधान के पक्ष में रिहाई को ललेकर विरोध जताया और रामलीला मैदान में धरना कर अपनी बात रखना चाहा जिसे प्रशासन नें विफल करते हुये कहा की बिना परमीशन कुछ नहीं होगा। टेन्ट वगैरह हटवाते हुये पुलिस नें नाकाम कर दिया। साथ ही ग्राम प्रधान राघवेन्द्र जयसवाल उर्फ गोलू की माता निर्मला देवी नें अपनें समर्थकों के साथ धारा संख्या 302/306/308/147/148/323/व एस्टीएसस मुकदमें वांछित ग्राम प्रधान राघवेन्द्र जयसवाल की रिहाई को लेकर थानाप्रभारी नीरक्षक राजेश सिंह को सौंपा ज्ञापन सौंपा।

तीन दिवसीय योग शिविर का हुआ समापन

प्रखत केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बेलांव महावीर मॉडर्न पब्लिक स्कूल पर चल रहे तीन दिवसीय योग शिविर का समापन यज्ञ के साथ किया गया। शंभुनाथ यादव जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति जौनपुर एवं कृष्ण मुरारी आर्य ने योग शिविर में प्रशिक्षण दिया । योग शिविर में बच्चों को योग शिक्षकों द्वारा विभिन्न आसन जैसे मंडूकासन, वृश्चिक आसन, भुजंगासन, चक्रासन तथा ताड़ासन व आदि आसनों के बारे में बताया गया तथा आसनों के विशेष लाभ से भी परिचित कराया गया। प्रतिदिन किए जाने वाले 8 प्राणायाम का भी अभ्यास कराया गया। तथा इसके महत्व के बारे में विशिष्ट रूप से चर्चा भी किया गया कपालभाती एवं अनुलोम-विलोम प्राणायाम को विशेष प्राणायाम बताया गया जिसको करने से अनेक शारीरिक समस्याओं का समाधान हो जाता है। प्रशिक्षक द्वारा बताया गया कि योग आज के जीवन शैली में बहुत महत्वपूर्ण है। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान अरविंद यादव के साथ अभिभावक गण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाराणसी में किया शाहरुख खान का पुतला दहन

प्रखर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री डॉ जयनाथ मिश्रा के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकताओं ने कचहरी मुख्यालय पर शाहरुख खान का पुतला दहन करते हुए बताया कि शाहरुख खान ने पठान मूवी में दीपिका पादुकोण के साथ मिलकर हिंदू सनातन धर्म तथा केसरिया रंग को बदनाम करने का जो काम किया है उसे हिंदू समाज कतई बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है श्री मिश्र ने कहा कि जिस प्रकार से खान और पठान हिंदू संस्कृत को बदनाम कर रहे हैं उसे हिंदू समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और काशी में आने पर उनको सड़कों पर निकलने नहीं देगा। फिल्म की नायिका ने जिस प्रकार से केसरिया रंग का कपड़ा पहनकर मातृशक्ति का अपमान किया है उसको हिंदू समाज कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगा हम जिस माध्यम से चेतावनी दे रहे हैं कि भविष्य में कभी भी खेसरिया के कपड़े में अश्लीलता का प्रदर्शन ना करें। कार्यक्रम में जयनाथ मिश्रा

दल में काम करते हैं उसमें मातृ शक्ति की पूजा होती है कभी भी मां बहनों का अपमान नहीं किया जाता उसी के तहत आम लोग आज दीपिका पादुकोण इस कार्यक्रम के ,मोहित राय ,अखिलानंद शेषधर चौबे, नितिन अग्रवाल ,जय गोविंद ,हिमांशु सोनकर ,मयंक चौबे ,नीरज राजहंस के अलावा दर्जनों लोग शामिल थे।

बीएचयू में 7वीं आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप संपन्न

प्रखर वाराणसी। 7 आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप 2022 देश के 15 राज्यों से आए हुऐ खिलाड़ीयो से शुक्रवार को बीएचयू का इंडोर स्टेडियम खचाखच भरा रहा। जिसका ऑपनिग उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने दो दिवसीय ,16, 17 दिसंबर था। ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप आए हुए, प्रदेशों के नाम यूपी समेत राजस्थान, उत्तराखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र, ये सभी प्रदेश के खिलाड़ीयो ने प्रतिभाग किया जिसमे के डी स्पोर्ट्स कराटे एकेडमी बांसबारी, डेहरी केराकत जौनपुर के 6 बच्चो ने प्रतिभाग किया। जिसमे प्रथम स्थान आयुषी यादव, ऋषब यादव, दुसरा स्थान शिवम यादव, अदिति सिंह गौतम, तीसरा स्थान अंजू यादव, कृष सेठ इन बच्चो ने प्रतिभाग कर अपने जौनपुर जिले को 2 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक, 2 कास्य पदक दिलाया आयेहुए दूसरे दिन। अतिथि राज्यमंत्री रविंद्र जयशवाल, नीलकंठ तिवारी और एडिशनल सीपी संतोष कुमार सिंह के साथ हुआ।

ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार जीम संचालक की मौत

प्रखर दानगंज वाराणसी। लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र के हुकुलगंज तिराहे के पास शुक्रवार की देर रात शिव बिहार कालोनी पहड़िया निवासी जिम संचालक अशोक पटेल उम्र 48 वर्ष की दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। पिता श्याम बाबू पटेल द्वारा देर होने पर जब मृतक के मोबाइल पर फोन किया गया। तो पुलिस द्वारा परिवार वालो को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में चेहरा विकृत हो जाने की वजह से पहचान नहीं हो पा रही थी। साथ ही मृतक के पास से मिले मोबाइल पर लॉक लगा हुआ था। जिससे कहीं फोन नहीं जा पा रहा था। देर रात 2 बजे जब पिता का फोन मृतक के मोबाइल पर आया तब शिनाख्त हो पाई। इकलौते बेटे का इस तरह अचानक चले जाने से परिवार वालो और बच्चों का रोरो कर बुरा हाल है।मृतक अशोक पटेल पांडेयपुर चौराहे पर ही इंडियन हेल्थ क्लब नाम से जिम चलाते थे।

सीएम योगी के गौरक्षा संकल्प का पतीला लगाते संबंधित, मुफ्तीगंज के गोशालाओं में मर रहीं गायें

शनिवार को कुंडी गौशाला की तीन गायें मरीं, रोज-रोज गायों के मरने से नागरिकों में आक्रोश

प्रखर मुफ्तीगंज जौनपुर। गो रक्षा और गो पालन की मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना कुछ लापरवाह अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही की भेंट चढ़ रही है। कम से कम मुफ्तीगंज ब्लाक में यही हो रहा है। ब्लाक के बीडीओ रवि सिंह की उदासीनता और ग्राम प्रधानों की लापरवाही के चलते गोशाला की गायें रोज मर रही हैं। शनिवार को कुंडी गांव में स्थित गोशाला में तीन गायें मर गईं। इसके पहले पेसारा गांव के गोशाला की दो गायें मर गई थीं जिसका फोटो वीडियो वायरल होने पर तहलका मच गया था। अब कुंडी के गोशाला की गायों के मरने से और उन्हें खुले में लावारिश छोड़ दिये जाने से क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। गांव के बीडीसी आशीष राय, अमित राय, सर्वेश राय, पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संजय कुमार, दीपू राय, प्रकाश आदि की शिकायत है कि गायें चारा और उपचार के अभाव में मर रहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब इसके बारे में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि से कहा जाता है तो वे टालमटोल कर जाते हैं। बीडीओ रवि सिंह से कहने पर वे कुछ सार्थक प्रयास या उपाय करने के वजाय लोगों को मैनेज करने की सलाह देते हैं। इस सन्दर्भ में पूछे जाने पर बीडीओ रवि सिंह ने कहा कि अभी तक गोशाला का पैसा नहीं आया था। अब आ गया है। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही ग्राम प्रधानों की बैठक बुलाकर इस संदर्भ में समुचित व्यवस्था बनाने का निर्देश देंगे। मालूम हो कि कुंडी गोशाला में वर्तमान में लगभग 55 गायें हैं। जिनमें से अधिकांश चारा पानी के बिना कमजोर हो गई हैं। गोशाला की स्थिति के बारे में सीडीओ को भी अवगत करा दिया गया है।

27.5 लाख की हेरोइन के साथ 2 अन्तर्जनपदीय हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही में मीरजापुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है । दिनांकः17.12.2022 को थाना को0देहात, स्वाट व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से मोटर साइकिल सवार दो व्यक्तियों 1.हरिवंश चौहान पुत्र शोभनाथ चौहान निवासी हर्दी मिश्र थाना लालगंज जनपद मीरजापुर व 2.राहुल गोंड पुत्र शिवचरन गोंड निवासी बहुती थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से कुल 275 ग्राम हेरोइन (अनुमानित कीमत 27.5 लाख) बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0देहात पर मु0अ0स0-287/2022 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । तस्करी में प्रयुक्त मोटर साइकिल पैशन प्रो वाहन संख्याः UP 63 W 3039 का वैध कागजात प्रस्तुत न करने पर अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उनके द्वारा चोरी-छिपे जनपद के बाहर से मादक पदार्थ हेरोइन लायी जाती है और उसे अपने पूर्व से सुनिश्चित ग्राहकों को बेच कर धन अर्जित किया जाता है, जिससे उन लोगो को अच्छी आमदनी हो जाती है।

स्वच्छ एवं हरित वातावरण में स्थित डीपीएस काशी का अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है - गणेश सहाय

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाबतपुर रोड स्थित डीपीएस काशी में किया गया पत्रकार वार्ता का आयोजन पत्रकार वार्ता के दौरान विद्यालय के प्रो. वी. सी. एवं निदेशक आयुष पोद्दार , प्रधानाचार्य गणेश सहाय , शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित थे` स्वच्छ एवं हरित वातावरण में स्थित डीपीएस काशी का अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है` इस सम्मलेन में विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश सहाय ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के विषय पर प्रकाश डाला विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा बच्चों को इक्कीसवीं सदी के स्किल्स के साथ आगे बढ़ाना हैं उन्होंने लर्निंग, लिट्रेसी और लाइफ आदि स्किल्स के बारे में अभिभावकों के साथ विचार विमर्श किया` डीपीएस काशी का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है यहाँ बच्चो में वैज्ञानिक दृष्टीकोण, विशलेनात्मक परख खोज, बुद्धि परख खोज स्वध्याय जैसे गुणों का विकास किया जाता है इसके लिए विगत वर्ष से शिक्षक बच्चों के घर पर भी अभिभावकों से संपर्क कर रहे हैं तथा उनके व्यवहार एवं प्रगति रिपोर्ट की जानकारी देते हैं इस सम्मलेन में

अभिभावकों ने भी उत्साहित होकर पूरी तरह हिस्सा लिया तथा अपने सुझाव दिए डीपीएस काशी पूर्णतया अंग्रेजी माध्यम स्कूल हैं जो अपनी सभ्यता संस्कृति के साथ - साथ मूल्य परक शिक्षा दे रहा है उल्लेखनीय है कि सीबीएसई में वैश्विक मानकीकरण के लिए डीपीएस काशी को वाराणसी जिला का प्रथम हाइब्रिड स्कूल चयनित किया हैं।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं